भाद्रपद शुक्ल - 6 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 19 ▪ अंक - 59 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 21-09-2023 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 महिला आरक्षण पर राजनीति कर रही कांग्रेस : दुबे

6 नारी का राजनीतिक जीवन भी अमृतमय बने

7 हमें सनी जैसे लोगों की जरूरत है : कंगना

फर्स्ट टेक

दक्षिण न्यूजीलैंड में 6.2 तीव्रता का आया भूकंप

वेलिंगटन/वार्ता। न्यूजीलैंड के स्थानीय समयानुसार बुधवार सुबह 9:14 बजे न्यूजीलैंड के दक्षिण द्वीप गेराल्डिन से 45 किमी उत्तर में 6.2 तीव्रता का भूकंप आया। देश भूवैज्ञानिक खतरा निगरानी संस्थान जियोनेट ने यह जानकारी दी। क्राइस्टचर्च और अन्य दक्षिण द्वीप क्षेत्रों के निवासियों ने भूकंप महसूस किया, जिसकी गहराई 10 किमी थी। अब तक किसी के घायल होने या संपत्ति के नुकसान की सूचना नहीं मिली है।

अकासा एयर को मिली अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के संचालन की मंजूरी

नई दिल्ली/भाषा। परिचालन शुरू करने के एक साल बाद ही अकासा एयर को अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के संचालन की मंजूरी नागर विमानन मंत्रालय से मिल गई है। कंपनी अब दक्षिण एशिया, दक्षिण-पूर्व एशिया एवं पश्चिम एशिया के गंतव्यों के लिए उड़ानें संचालित करने की योजना बना रही है। फिलहाल पायलटों की भारी किल्लत का सामना कर रही अकासा एयर के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विनय दुबे ने बुधवार को कहा कि नागर विमानन मंत्रालय ने इस एयरलाइन को अंतरराष्ट्रीय अधिसूचित परिचालक का दर्जा दे दिया है। दुबे ने एक बयान में कहा, यह नया दर्जा हमें अंतरराष्ट्रीय उड़ानें भरने की मंजूरी देगा। इससे हम इस साल के अंत तक अपना अंतरराष्ट्रीय परिचालन शुरू करने का सपना पूरा करने के एक कदम समीप पहुंच गए हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अब एयरलाइन विदेशी गंतव्यों के लिए उड़ान भरने के अधिकार दिए जाने संबंधी अनुरोध पर संबंधित अधिकारियों के साथ काम कर रही है।

आईसीसी ने टी20 विश्व कप के स्थल के रूप में न्यूयॉर्क, डेलास और फ्लोरिडा की पुष्टि की

दुबई/भाषा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 के अमेरिका चरण के तीन स्थलों के रूप में बुधवार को न्यूयॉर्क, डेलास और फ्लोरिडा के नाम की पुष्टि की। अमेरिका में ब्रोवार्ड काउंटी (फ्लोरिडा), ग्रैंड प्रेरी (डेलास) और आइसेनहावर पार्क (न्यूयार्क) टी20 विश्व कप मुकाबलों की मेजबानी करेंगे। यह पहली बार है जब टूर्नामेंट का आयोजन अमेरिका में हो रहा है और वह वेस्टइंडीज के साथ सह मेजबान है। आईसीसी ने 2021 में अमेरिका को प्रतियोगिता की मेजबानी सौंपी थी। आईसीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ज्योफ अलार्डिस ने कहा कि विस्तृत आकलन प्रक्रिया के बाद इन स्थलों को चुना गया है।

21-09-2023 सूर्यास्त 6:16 बजे | 22-09-2023 सूर्योदय 6:08 बजे

BSE	NSE
66,800.84	19,901.40
(-796.00)	(-231.90)

सोना	चांदी
6,161 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	73,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

मिच्छामी दुक्कड़म

आतंकी धारा से हरदम,
घाटी का कण-कण झक्कड़म।
धोखा दे फैला करके भ्रम,
नेता वादी में अक्कड़म।
इतने निर्दोष मरे फिर भी,
ना प्रकट सके वे दुक्खड़म।
है शर्म अगर पाकिस्तां को,
बोले 'मिच्छामी दुक्कड़म।।

महिला आरक्षण विधेयक लोकसभा में पारित

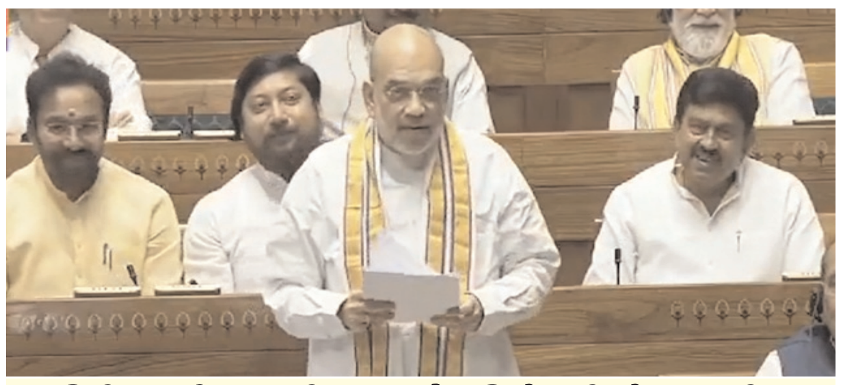

- विधेयक के पक्ष में 454 और विरोध में दो मत पड़े
- चुनाव के बाद जनगणना और परिसीमन पूरा होते ही महिला आरक्षण से संबंधित कानून लागू होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। लोकसभा तथा विधानसभाओं में महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण देने वाले 128वें संविधान संशोधन विधेयक को लोकसभा ने बुधवार को करीब करीब सर्वसम्मति से पारित कर दिया जो देश में नारी सशक्तीकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है।

लोकसभा एवं विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण के प्रावधान वाले 'नारीशक्ति वंदन विधेयक 2023' को लोकसभा में दिनभर चली चर्चा के बाद मतविभाजन के लिए रखा गया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने पर्ची से हुए मत विभाजन की घोषणा करते हुए कहा कि विधेयक के पक्ष में 454 और विरोध में दो मत पड़े हैं। उन्होंने कहा कि यह संविधान संशोधन विधेयक दो तिहाई से अधिक बहुमत से पारित हुआ है।

ओम बिरला ने मत विभाजन तथा सभी संशोधनों पर सदन में विचार करने के बाद कहा कि विधेयक को यथा संशोधित रूप से पारित कर दिया गया है। विधेयक पर खंडवार मत विभाजन करवाया गया। ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुसलमीन - एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवेसी के प्रस्ताव को ध्वनिमत से खारिज किया गया। उनके अलावा सभी सदस्यों ने अपने संशोधन वापस ले लिए।

केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने विधेयक को नये संसद भवन में कार्यवाही के पहले दिन पहले विधायी कार्य के तहत मंगलवार को सदन में पेश किया था। विधेयक पर आज दिनभर हुई चर्चा का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि इस विधेयक पर चर्चा में सभी दलों ने इसका समर्थन किया है। चर्चा में हस्तक्षेप करते हुए केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस विधेयक को लागू करने के लिए निर्वाचन क्षेत्रों के नये परिसीमन की आवश्यकता के बारे में सदस्यों की जिज्ञासा का स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि विधेयक को लागू करने में परिसीमन आवश्यक है।

महिला आरक्षण विधेयक से राजनीतिक प्रक्रिया में महिलाओं की और भागीदारी को बढ़ावा मिलेगा : मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा और विधानसभाओं में दो तिहाई आरक्षण के प्रावधान वाले 128वें संविधान संशोधन विधेयक के संसद के निचले सदन में पारित होने पर बुधवार को प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इससे महिला सशक्तिकरण होगा और राजनीतिक प्रक्रिया में उनकी और भी अधिक भागीदारी को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने 'एक्स' पर किए गए एक पोस्ट में कहा, लोकसभा में संविधान (128वां संशोधन) विधेयक, 2023 के इस तरह के अभूतपूर्व समर्थन के साथ पारित होने पर प्रसन्नता हुई। उन्होंने इस विधेयक के समर्थन में मतदान करने वाले सभी दलों के सांसदों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस विधेयक को 'ऐतिहासिक' करार देते हुए कहा कि इसके कानून की शक्ल लेने के बाद बनने वाला 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' महिला सशक्तिकरण को और बढ़ावा देगा। उन्होंने कहा, यह हमारी राजनीतिक प्रक्रिया में महिलाओं को और भी अधिक भागीदारी करने में सक्षम बनाएगा।

महिला आरक्षण विधेयक युग बदलने वाला : शाह

नई दिल्ली/वार्ता। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने महिला आरक्षण विधेयक को युग बदलने वाला करार देते हुए कहा कि यह विधेयक विपक्षी दलों के लिए राजनीति का मुद्दा हो सकता है, लेकिन हमारे लिए यह मान्यता, स्वभाव और कार्य संस्कृति का सवाल है। शाह ने संविधान (128 वाँ संशोधन) विधेयक 2023 पर चर्चा में कहा कि मंगलवार का दिन भारतीय संसद के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। कल गणेश चतुर्थी थी और नए सदन के कार्य का श्री गणेश भी हुआ और मंगलवार के दिन ही वर्षों से लंबित महिलाओं को आरक्षण देने का विधेयक इस सदन में पेश हुआ। इस विधेयक के पारित होने से महिलाओं के अधिकारों की लंबी लड़ाई खत्म हो जाएगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की योजनाओं को गिनाते हुए विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने हमेशा महिलाओं और बेटियों का ख्याल रखा है। इस विधेयक पारित होने से महिलाओं के अधिकारों की लंबी लड़ाई खत्म हो जाएगी। गृहमंत्री ने कहा कि जी-20 के दौरान प्रधानमंत्री ने महिला नेतृत्व वाले विकास का विजन पूरी दुनिया के सामने रखा।

खालिस्तानी आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई तेज

एनआईए द्वारा पांच खालिस्तानी आतंकियों पर इनाम घोषित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। खालिस्तानी आतंकवादियों के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज करते हुए राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने बुधवार को हरविंदर सिंह संधू उर्फ 'रिंदा' और लखबीर सिंह संधू उर्फ 'लांडा' सहित प्रतिबंधित संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के पांच सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए सूचना देने वाले को नकद इनाम दिए जाने की घोषणा की। संघीय एजेंसी ने रिंदा और लांडा प्रत्येक के लिए 10 लाख रुपये के इनाम और परमिंदर सिंह खैरा उर्फ 'पट्टू', सतनाम सिंह उर्फ ''सतबीर सिंह'' और यादविंदर सिंह उर्फ ''यद्दा'' पर पांच लाख रुपये के नकद इनाम की घोषणा की।

एनआईए के एक प्रवक्ता ने कहा कि ये पांच आतंकवादी भारत की शांति व सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने और पंजाब में आतंक फैलाने के उद्देश्य से बीकेआई की आतंकवादी गतिविधियों को लेकर दर्ज एक मामले में वांछित हैं। यह मामला इस साल की शुरुआत में दर्ज किया गया था। उन्होंने कहा कि वांछित आतंकवादियों पर पंजाब में मादक पदार्थों की तस्करी के माध्यम से और व्यापारियों व अन्य प्रमुख व्यक्तियों से बड़े पैमाने पर जबरन वसूली के जरिये प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन बीकेआई के लिए धन जुटाने के अलावा आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने का आरोप है। प्रवक्ता ने कहा कि जांच से पता चला है कि पांचों आतंकवादी आर्थिक लाभ का वादा करके बीकेआई के लिए नये सदस्यों को भर्ती करने में लगे हुए हैं।

1984 सिख-विरोधी दंगेः पूर्व सांसद सज्जन कुमार बरी

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार को 1984 में हुए सिख विरोधी दंगों के दौरान एक व्यक्ति की हत्या से संबंधित मामले में संदेह का लाभ देते हुए बुधवार को बरी कर दिया। विशेष न्यायाधीश गीतांजलि गोयल ने दो अन्य आरोपियों वेद प्रकाश पियाल और ब्रह्मानंद गुप्ता को भी यह कहते हुए बरी कर दिया कि अभियोजन पक्ष उनके खिलाफ हत्या और दंगे के आरोप साबित करने में विफल रहा। सुल्तानपुरी में हुई घटना के दौरान सिख व्यक्ति सुरजीत सिंह की मौत हो गई थी। न्यायाधीश ने कहा, आरोपी सज्जन कुमार को संदेह का लाभ देते हुए बरी किया जाता है।

सी295 विमान

पहला सी-295 मध्यम सामरिक परिवहन विमान बुधवार को वडोदरा में उतरा। कुछ दिन पहले ही स्पेन के दक्षिणी शहर सिवेले में इसे भारतीय वायु सेना को सौंपा गया था। विमान को 25 सितंबर को दिल्ली के पास हिंडन में एक समारोह में आधिकारिक तौर पर वायुसेना में शामिल किया जाएगा। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने 13 सितंबर को पहले सी295 विमान को प्राप्त किया था। भारतीय वायु सेना के आधुनिकीकरण के उद्देश्य से सरकार ने 'एयरबस डिफेंस एंड स्पेस कंपनी' के साथ दो साल पहले 21,935 करोड़ रुपये में 56 सी295 परिवहन विमानों को खरीदने का सौदा किया था। ये विमान पुराने होते एवरो--748 बेड़े का स्थान लेंगे।

'लैंगिक रूप से तटस्थ' है भारतीय वायुसेना : चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

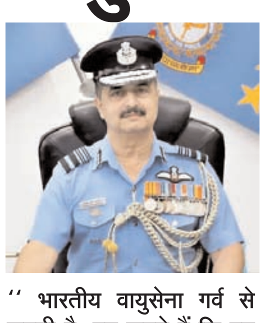

नई दिल्ली/भाषा। वायुसेना प्रमुख वी आर चौधरी ने बुधवार को कहा कि वायुसेना गर्व से कहती है कि वह 'लैंगिक रूप से तटस्थ' है तथा अधिकारी संवर्ग, हर शाखा, हर संभाग और हर उपसंभाग में अब महिला अधिकारी हैं। उन्होंने यहां सुब्रतो पार्क में आयोजित एक कार्यक्रम में अपने संबोधन में यह बात कही। उन्होंने कहा, '' भारतीय वायुसेना गर्व से कहती है, हम कहते हैं कि हम लैंगिक रूप से तटस्थ हैं। अधिकारियों के संवर्ग, हर शाखा, हर संभाग और उपसंभाग में अब महिला अधिकारी हैं। हमारे यहां अब अपने लड़ाकू स्क्वाड्रन की पहली महिला कमांडिंग अधिकारी हैं।''

उन्होंने कहा, '' हमारे यहां बड़ी संख्या में ऐसी महिला अधिकारी हैं जिन्होंने अपना स्टाफ कोर्स, अपना उच्च कमान कोर्स और अपना एचडीएमसी पूरा किया।''

वायुसेना प्रमुख ने कहा, ''आज वायुसेना में 1600 से अधिक महिलाएं हैं। इनमें से 161 उड़न शाखा से हैं जिसमें जंगी विमानों से जुड़ी 17 महिलाएं शामिल हैं।''

अत्यधिक सावधानी बरतेंः कनाडा में रहने वाले भारतीयों को विदेश मंत्रालय की सलाह

- **एमईए ने एक बयान में कहा, कनाडा में बढ़ती भारत विरोधी गतिविधियों और राजनीतिक रूप से समर्थित घृणा अपराधों और आपराधिक हिंसा को देखते हुए, वहां मौजूद सभी भारतीय नागरिकों और यात्रा पर जाने का विचार करने वालों से अत्यधिक सावधानी बरतने का आग्रह किया जाता है।**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कनाडा में बढ़ती भारत विरोधी गतिविधियों और राजनीतिक रूप से समर्थित घृणा अपराधों और आपराधिक हिंसा को देखते हुए भारत ने बुधवार को अपने नागरिकों और वहां की यात्रा पर विचार कर रहे देश के लोगों को अत्यधिक सावधानी बरतने का परामर्श जारी किया है।

जून में खालिस्तानी अलगाववादी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की संभावित संलिप्तता के कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोपों के बाद दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों में गिरावट के बीच विदेश मंत्रालय (एमईए) की तरफ से यह परामर्श आया है।

भारत ने मंगलवार को आरोपों को बेतुका और प्रेरित कहकर खारिज कर दिया और इस मामले में कनाडा द्वारा एक भारतीय अधिकारी को निष्कासित करने के बदले में एक वरिष्ठ कनाडाई राजनयिक को निष्कासित कर दिया था। परामर्श में विदेश मंत्रालय ने कनाडा में भारतीय छात्रों से अत्यधिक सावधानी बरतने और सतर्क रहने को कहा।

एमईए ने एक बयान में कहा, कनाडा में बढ़ती भारत विरोधी गतिविधियों और राजनीतिक रूप से समर्थित घृणा अपराधों और आपराधिक हिंसा को देखते हुए, वहां मौजूद सभी भारतीय नागरिकों और यात्रा पर जाने का विचार करने वालों से अत्यधिक सावधानी बरतने का आग्रह किया जाता है।

गोरक्षा सभी धर्म एवं देश के लोगों के हित में है : आरएसएस

नागपुर/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के वरिष्ठ नेता सुरेश उर्फ भैयाजी जोशी ने बुधवार को कहा कि गायों की रक्षा करना सभी लोगों के हित में है, चाहे वे हिंदू हों, मुस्लिम हों या ईसाई हों या वे किसी भी देश के हों। जोशी ने इसको लेकर अफसोस जताया कि भारत के लोगों को अब भी गोरक्षा का महत्व समझाना पड़ता है।

आरएसएस की कार्यकारी समिति के सदस्य एवं इसके पूर्व महासचिव जोशी यहां 'गोरक्षण सभा' की एक नई परियोजना के 'भूमि पूजन' पर एक सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, ''अतीत में, हिंदू समुदाय कई अन्य मुद्दों के साथ-साथ गायों के प्रति उदासीन हो गया। हालांकि कुछ लोगों ने 1888 में 'गोरक्षण सभा' के माध्यम से 'गोरक्षा' के लिए काम करना शुरू किया।'' उन्होंने कहा, ''हालांकि यह दुखद है कि हमें भारत में गोरक्षा का कार्य करने की जरूरत पड़ रही है। यह दुखद है कि हमें लोगों को भारत में गाय संरक्षण के महत्व को समझाना पड़ रहा है।'' उन्होंने कहा कि 'गोमाता' एक अत्यंत संवेदनशील प्राणी है।

बुकमायशो ने पंजाबी-कनाडाई गायक शुभनीत सिंह का शो रद्द किया

नई दिल्ली/भाषा। ऑनलाइन टिकट बुकिंग एप बुकमायशो ने गायक शुभनीत सिंह के भारत में कार्यक्रमों को रद्द कर दिया है। बुकमायशो ने यह कदम शुभनीत सिंह के कथित तौर पर खालिस्तानी समर्थक होने को लेकर सोशल मीडिया पर बहिष्कार का सामना करने के बाद उठाया है। बुकमायशो ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा कि वह सात से दस दिनों के भीतर टिकटों का पूरा पैसा वापस कर देगा। उसने 'एक्स' पर लिखा, गायक शुभनीत सिंह का 'स्टिल रोलिन टूर फॉर इंडिया' रद्द कर दिया गया है। बुकमायशो ने उन सभी उपभोक्ताओं के टिकट का पूरा पैसा वापस करना शुरू कर दिया है।

यूक्रेन ने युद्ध समाप्त करने को लेकर दुनिया से एकजुटता का किया आग्रह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कीव/वार्ता। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमिर जेलेंस्की ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने देश के खिलाफ रूसी आक्रामकता को समाप्त करने के लिए विश्व से एकजुट होने का आग्रह किया है।

न्यूयॉर्क में एक भावुक भाषण में, ज़ेलेंस्की ने कहा कि मॉस्को को दुनिया को अंतिम युद्ध की ओर धकेलने से रोका जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि रूस ने भोजन से लेकर ऊर्जा तक हर चीज को हथियार बनाया है। उन्होंने तर्क देते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन जैसी अन्य आम चुनौतियों पर बातचीत करने से पहले मास्को को युद्ध करने से रोकना चाहिए।

ज़ेलेंस्की ने महासभा के वार्षिक अधिवेशन में भाग लेने वाले विश्व नेताओं से कहा, यूक्रेन यह सुनिश्चित करने के प्रयास में लगा हुआ है कि रूसी आक्रमण के बाद दुनिया में कोई भी देश, किसी भी देश पर हमला करने की हिम्मत न करे। उन्होंने कहा कि रूसी हथियारों पर लगाम लगाई जानी चाहिए। इस युद्ध शामिल लोगों को दंडित किया जाना चाहिए।

जेलेंस्की ने कहा कि निर्वासित लोगों को घर वापस आना चाहिए और कब्जा करने वाले को अपनी भूमि पर लौट जाना चाहिए। उन्होंने कहा, हमें इसे बनाने के लिए एकजुट होना चाहिए और हम इसे करेंगे! उन्होंने मास्को पर यूक्रेनी बच्चों का अपहरण करके 'नरसंहार' करने का भी आरोप लगाया। मार्च में, अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) ने यूक्रेनी बच्चों को रूस में कथित गैरकानूनी निर्वासन पर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किया।

डेटा संरक्षण नियमों के अनुपालन के लिए एक साल का समय दे सकती है सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 के मानदंडों का अनुपालन करने के लिए इकाइयों को एक साल का समय दे सकती है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने बुधवार को यह बात कही। उन्होंने कहा कि सरकार इकाइयों को अपनी प्रणाली को इसके अनुरूप ढालने के लिए एक साल का समय देने पर विचार कर रही है। उद्योग के साथ चर्चा के मौके पर पत्रकारों से अलग से बातचीत में चंद्रशेखर ने कहा कि डेटा संरक्षण बोर्ड और मंजूरी प्रबंधन सहित आठ नियमों के लिए दिशानिर्देश एक महीने में जारी कर दिए जाएंगे।

मंत्री ने कहा, 'उद्योग 'एज-गेटिंग' के लिए कुछ और समय चाहता है, अलग-अलग डेटा इकाइयों के लिए इस बदलाव को अलग-अलग समयसीमा चाहता है। हमें उम्मीद है कि 'एज-गेटिंग' को छोड़कर ज्यादातर नियमों के लिए बदलाव 12 माह में पूरा हो जाएगा।''

'एज-गेटिंग' ऐसा पेज होता है जिसमें वेबसाइट पर आने वाले व्यक्ति से उसकी आयु पूछी जाती है और यह देखा जाता है कि वह साइट के उत्पादों या सेवाओं के इस्तेमाल के लिए उपयुक्त आयु सीमा के तहत आता है या नहीं। इस चर्चा में मेटा, लेनोवो, डेल, नेटफ्लिक्स सहित विभिन्न कंपनियों के लगभग 125 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023, जो उच्चतम न्यायालय द्वारा 'निजता के अधिकार' को मौलिक अधिकार घोषित करने के छह साल बाद आया है, में ऑनलाइन मंचों द्वारा व्यक्तियों के डेटा या ब्योरे के दुरुपयोग को रोकने के प्रावधान हैं।

इस अधिनियम में व्यक्तियों के डिजिटल ब्योरे का दुरुपयोग करने या उसकी सुरक्षा करने में विफल रहने वाली इकाइयों पर 250 करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। अधिनियम कहता है कि नागरिकों द्वारा एकत्र किए गए डेटा का उपयोग कानून के अनुसार केवल उसी उद्देश्य के लिए किया जाना चाहिए जिसके लिए इसे जुटाया गया है।

किसी भी तरह की शिकायत के मामले में डेटा संरक्षण बोर्ड से संपर्क किया जा सकता है। बोर्ड अधिनियम के मानदंडों के अनुसार शिकायत पर कार्रवाई करेगा। चंद्रशेखर ने कहा, ''हम अगले पांच-छह दिन में अनुपालन के लिए अधिकांश नियम लागू करना शुरू कर देंगे। अधिकांश नियम 30 दिन के भीतर लागू कर दिए जाएंगे। डेटा संरक्षण बोर्ड भी 30 दिन में अस्तित्व में आ जाएगा।''

हरसिमरत का कटाक्ष: महिलाओं को लड्डू दिखा रहे हैं और कहते हैं खा नहीं सकते

नई दिल्ली/भाषा। शिरोमणि अकाली दल की सांसद हरसिमरत कौर बादल ने बुधवार को महिला आरक्षण से संबंधित विधेयक को अगले लोकसभा चुनाव से लागू करने की मांग की और कटाक्ष करते हुए कहा कि सरकार महिलाओं को लड्डू दिखा रही है, लेकिन कह रही है कि वे इसे खा नहीं सकतीं। लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीट आरक्षित करने के प्रावधान वाले 'संविधान (एक सौ अट्ठाईसवां संशोधन) विधेयक, 2023' पर निचले सदन में चर्चा में भाग लेते हुए हरसिमरत ने सवाल किया कि कुछ ही घंटों में नोटबंदी और लॉकडाउन करने वाली सरकार को यह विधेयक लाने में साढ़े नौ साल का समय क्यों लगा?

हरसिमरत का कहना था कि इस विधेयक को लेकर जो उत्साह पैदा हुआ था वो इसका विवरण सामने आने के बाद 24 घंटे के भीतर ही खत्म हो गया। उन्होंने कहा, ''कहा गया है कि जनगणना और परिसीमन के बाद आरक्षण लागू होगा। किसी को पता नहीं कि यह आरक्षण कब लागू होगा?'' हरसिमरत ने यह सवाल भी किया, '' जब आपने (भाजपा) घोषणापत्र में महिला आरक्षण का वादा किया, साढ़े नौ साल क्यों लग गए? लॉकडाउन घंटों में कर सकते हैं, नोटबंदी घंटो में कर सकते हैं तो यह विधेयक लाने में साढ़े नौ साल क्यों लग गए? अब लाए हैं तो इसे अगले लोकसभा चुनाव से क्यों लागू नहीं कर रहे?''

महाराष्ट्र में गणपति की मूर्तियों का विसर्जन शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुंबई में दस दिवसीय गणेश उत्सव के दूसरे दिन कई श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश की प्रतिमा विभिन्न तालाबों और जल निकायों में विसर्जित की। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव और उत्साह के साथ शोभायात्रा निकाली और नृत्य करते हुए मूर्तियों को विसर्जन स्थल तक ले गये। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के अनुसार घरों में स्थापित की गई तकरीबन 195 और एक सार्वजनिक तौर पर स्थापित की गई मूर्ति को समुद्र और कृत्रिम तालाबों सहित अन्य जल निकायों में विसर्जित किया गया।

बीएमसी ने कहा कि कम से कम गणपति की 50 मूर्तियों को कृत्रिम तालाबों में विसर्जित किया गया। यह तालाब विशेष रूप से जल प्रदूषण को कम करने के लिये तैयार किए गए थे। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार को विसर्जन के दौरान कहीं से किसी भी अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। बीएमसी ने इस वर्ष विसर्जन के लिए 69 प्राकृतिक जल निकायों को चिह्नित किया है, जिसमें 191 कृत्रिम तालाब भी शामिल हैं। यह उत्सव 28 सितंबर को अनंत चतुर्दशी पर समाप्त होगा।

पुणे के प्रसिद्ध दगडूशेठ गणपति पंडाल में 36,000 महिलाओं ने 'अथर्वशीर्ष' का पाठ किया

पुणे/भाषा। महाराष्ट्र के पुणे में प्रसिद्ध दगडूशेठ गणपति पंडाल में बुधवार को 36,000 से अधिक महिलाओं ने 'अथर्वशीर्ष' का पाठ किया। 'अथर्वशीर्ष', संस्कृत में रचित एक लघु उपनिषद है, जो ज्ञान और बुद्धि के देवता भगवान श्री गणेश को समर्पित है।

श्रीमंत दगडूशेठ हलवाई सार्वजनिक गणपति ट्रस्ट के अनुसार, यह उनके गणेश उत्सव समारोह में अथर्वशीर्ष के वार्षिक पाठ का 36वां वर्ष है। उन्होंने बताया कि पारंपरिक कपड़े पहने 36,000 महिलाएं दगडूशेठ गणपति पंडाल के सामने एकत्र हुईं और 'अथर्वशीर्ष' का जाप किया। ट्रस्ट ने कहा कि यह उनके पंडाल में भजन गायन कार्यक्रम में महिलाओं की सबसे अधिक भागीदारी थी।

महिला आरक्षण विधेयक पारित होने के साथ राजीव गांधी का अधूरा सपना पूरा होगा : सोनिया गांधी

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने बुधवार को लोकसभा में 'नारीशक्ति वंदन विधेयक' पर चर्चा के दौरान स्थानीय निकायों में महिलाओं के लिए आरक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित करने में अपने पति और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के योगदान को याद किया और कहा कि इस महिला आरक्षण विधेयक के पारित होने से उनके दिवंगत पति का अधूरा सपना पूरा होगा। उन्होंने लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने के प्रावधान वाले 'संविधान (एक सौ अट्ठाईसवां संशोधन) विधेयक, 2023' पर चर्चा की शुरुआत करते हुए यह भी कहा कि यह उनके लिए मार्मिक क्षण है। सोनिया गांधी का कहना था, ''यह मेरी जिंदगी का बहुत मार्मिक क्षण है। स्थानीय निकायों में महिलाओं की भागीदारी तय करने वाला संविधान संशोधन विधेयक मेरे जीवनसाथी राजीव गांधी जी ही लेकर आए थे जो राज्यसभा में सात वोटों से गिर गया था। बाद में पीवी नरसिंह राव जी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने उसे पारित करवाया। आज उसी का नतीजा है कि देश में 15 लाख चुनी हुई महिला नेता हैं।''

विधायक के दुर्व्यवहार पर कांग्रेस की चुप्पी उसके समर्थन के समान : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड भाजपा ने बुधवार को अल्मोड़ा में एक सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज के निदेशक के साथ कांग्रेस विधायक मदन सिंह बिष्ट द्वारा कथित तौर पर दुर्व्यवहार किए जाने की घटना पर चुप्पी साधने के लिए विपक्षी पार्टी की आलोचना करते हुए कहा कि यह एक तरह से उनके बुरे आचरण का मौन समर्थन ही है । बिष्ट के खिलाफ रविवार को द्वाराहाट स्थित बिपिन त्रिपाठी कुमांउ इंस्टीटयूट आफ टेक्नोलॉजी के निदेशक के के एस मेर के आवास पर कथित रूप से हंगामा करने तथा उन्हें अपशब्द कहने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया था ।

उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवा निवृत्त) गुरमीत सिंह से विधायक के विरूद्ध कार्रवाई शुरू करने की अपील करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कहा, 'विधायक द्वारा संस्थान के निदेशक के आवास पर हंगामा करने तथा उनके लिए अपशब्द का इस्तेमाल करने पर कांग्रेस की चुप्पी उनके द्वारा किए गए दुर्व्यवहार का मौन समर्थन ही है।' बिष्ट द्वाराहाट से विधायक हैं जहां भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए उनका पुतला भी फूंका ।

मेर की तहरीर पर विधायक के खिलाफ सोमवार को भारतीय दंड विधान की विभिन्न धाराओं506, 452, 427 और 504 के तहत धमकी देने, नुकसान पहुंचाने की नीयत से घर में घुसने तथा जानबूझकर अपमान करने या उकसाने के लिए मामला दर्ज किया गया । इस संबंध में विधायक की ओर से भी पुलिस को मेर के खिलाफ एक शिकायत दी गयी है जिसमें कहा गया है कि इंजीनियरिंग कॉलेज के निदेशक ने उनकी टेलीफोन कॉलों का कोई रिस्पांस नहीं देकर प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया है। उन्होंने कहा कि इंजीनियरिंग कॉलेज में काम करने वाले मेस कर्मचारियों, सुरक्षाकर्मियों तथा दैनिक वेतनभोगियों के बारे में कुछ जानकारी चाहिए थी लेकिन निदेशक ने उनकी बारहार की गयी कॉलों की अनदेखी की।

विधायक के खिलाफ कार्रवाई की भट्ट की मांग पर उत्तराखंड कांग्रेस की प्रदेश प्रवक्ता गरिमा दसौनी ने कहा कि पहले भाजपा प्रदेश अध्यक्ष को यह बताना चाहिए कि पिछले दो साल में उन्होंने अपने कितने पार्टी नेताओं के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की है।

प्रशासन से बातचीत के बाद केदारनाथ के तीर्थ पुरोहितों ने आंदोलन स्थगित किया

रूद्रप्रयाग/भाषा। आपदा की भेंट चढ़ गए भवनों, दुकानों के साथ ही भूमि पर अधिकार दिए जाने सहित चार सूत्री मांगों को लेकर केदारनाथ धाम में चल रहे तीर्थ पुरोहितों और व्यवसायियों का आंदोलन बुधवार को रूद्रप्रयाग जिला प्रशासन से बातचीत के बाद स्थगित हो गया। केदारनाथ के तीर्थ पुरोहितों की मुख्य संस्था केदारसभा के आह्वान पर 16 सितंबर से यह आंदोलन किया जा रहा था । केदारसभा के अध्यक्ष राजकुमार तिवारी ने बताया कि प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा 15 अक्टूबर तक सभी मांगों को पूरा करने का लिखित में आश्वासन दिए जाने के बाद आंदोलन स्थगित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह भी निर्णय लिया गया है कि यदि दी गयी समय सीमा तक मांगे पूरी नही होती तो 16 अक्टूबर से फिर से यह शुरू किया जाएगा। प्रशासन की ओर से केदारनाथ विकास परिषद के अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी योगेंद्र सिंह एवं ऊखीमठ के तहसीलदार दीवान सिंह राणा ने आंदोलनकारियों से वार्ता की । बातचीत में उन्होंने तीर्थ पुरोहितों को आश्वस्त किया शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुपालन में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

अडाणी समूह के साथ संयुक्त उद्यम में 30 करोड़ डॉलर का निवेश करेगी टोटल एनर्जीज

नई दिल्ली/भाषा। फ्रांस की टोटल एनर्जीज एसई अडाणी समूह के साथ नवीकरणीय ऊर्जा परियोजना के लिए एक नए संयुक्त उद्यम में 30 करोड़ डॉलर का निवेश करेगी। भारतीय समूह ने बुधवार को शेयर बाजारों को यह जानकारी दी। अडाणी समूह की नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी अडाणी ग्रीन एनर्जी लि. (एजीईएल) ने कहा, ''टोटल सीधे खुद या अपनी सहयोगी इकाइयों के जरिये एजीईएल के साथ 50:50 अनुपात वाली संयुक्त उद्यम कंपनी के गठन के लिए 30 करोड़ डॉलर का निवेश करेगी।'' इस नई संयुक्त उद्यम कंपनी के पास 1,050 मेगावाट (एमडब्ल्यूएसी) की परियोजनाएं होंगी। इसमें पहले से परिचालन में आ चुका 300 मेगावाट शामिल है। इसके अलावा 500 मेगावाट निर्माण के चरण में है और 250 मेगावाट विकास के चरण में है। पोर्टफोलियो में सौर और पवन ऊर्जा दोनों शामिल हैं।

मप्र विधानसभा चुनाव की दौड़ से कांग्रेस बाहर, जन आक्रोश झेल रही है : शिवराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर/भाषा। मध्यप्रदेश के प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस को राज्य में नवंबर में होने वाले संभावित विधानसभा चुनावों की दौड़ से बाहर बताते हुए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस केवल जनता का आक्रोश झेल रही है। चौहान ने इंदौर में भाजपा की जन आशीर्वाद यात्रा के प्रवेश के बाद ''पीटीआई-भाषा'' से कहा, (आगामी विधानसभा चुनावों की) दौड़ में कांग्रेस कहीं नहीं है। वह केवल जनता का आक्रोश झेल रही है।''

कांग्रेस ने प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर मतदाताओं तक पहुंचने के लिए मंगलवार (19 सितंबर) से ''जन आक्रोश यात्रा'' की शुरुआत की, जबकि भाजपा ने तीन सितंबर से ''जन आशीर्वाद'' यात्रा का आगाज किया था। भाजपा के बाद कांग्रेस की चुनावी यात्रा के शंखनाद पर मुख्यमंत्री ने कहा,वे (कांग्रेस) कई ऐसी चीजें करते हैं जो हम पहले ही कर चुके होते हैं, लेकिन उनका इरादा महज वोट हासिल करना होता है, जबकि हम जनता की सेवा का काम करते हैं।''

चौहान ने कांग्रेस की ''जन आक्रोश'' यात्रा पर निशाना साधते हुए कहा कि जनता कांग्रेस का असली चेहरा जानती है। जन आशीर्वाद यात्रा के रथ पर सवार मुख्यमंत्री ने दावा किया कि सूबे में सत्तारूढ़ भाजपा 230 सीटों पर होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों में रिकॉर्ड सीटें जीतेगी।

इससे पहले, इंदौर के हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से बातचीत के दौरान चौहान ने आरोप लगाया कि कमलनाथ की अगुवाई वाली पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने भाजपा के राज में शुरू की गईं अलग-अलग जनहितैषी योजनाएं बंद कर दी थीं। उन्होंने तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) के नेताओं द्वारा सनातन धर्म के खिलाफ दिए गए बयानों पर कहा कि ऐसे कथन मध्यप्रदेश सहन नहीं करेगा।

यह पूछे जाने पर कि मध्यप्रदेश के आगामी विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा छोड़कर कांग्रेस में जा रहे नेताओं को लेकर वह क्या कहेंगे, मुख्यमंत्री ने संक्षिप्त जवाब में कहा, कुछ नहीं कहेंगे।''

भारत-कनाडा राजनयिक विवाद पर संसद में चर्चा हो: सुप्रिया सुले

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की सांसद सुप्रिया सुले ने बुधवार को लोकसभा में सरकार से आग्रह किया कि भारत और कनाडा के बीच गहराए राजनयिक विवाद पर संसद के वर्तमान विशेष सत्र के दौरान चर्चा कराई जाए। उन्होंने लोकसभा में महिला आरक्षण विधेयक पर चर्चा के दौरान यह मुद्दा उठाया।

सुले ने कहा, ''यह केवल पांच दिनों के लिए एक विशेष सत्र है, मैं सरकार से कुछ विषयों पर चर्चा कराने का अनुरोध करती हूं जो आज के विषय की तरह ही प्रासंगिक हैं।

एक कनाडा का मुद्दा है, दूसरा महाराष्ट्र, मराठा, धनगर, लिंगायत और मुस्लिम आरक्षण का विषय है।'' उन्होंने प्याज की कीमतों, महंगाई और देश के कुछ हिस्सों में सूखे जैसे मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की भी मांग की।

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने इस साल जून में ब्रिटिश कोलंबिया में 45 वर्षीय सिख अलगाववादी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत का हाथ होने का आरोप लगाया था, जिसे भारत ने बेतुका बताकर खारिज कर दिया।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र के सेना प्रमुखों के सम्मेलन की मेजबानी करेगा भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय सेना अगले हफ्ते हिंद-प्रशांत क्षेत्र के देशों के सेना प्रमुखों के दो दिवसीय सम्मेलन की मेजबानी करेगी। यह सम्मेलन हिंद-प्रशांत में चीन की बढ़ती सैन्य गतिविधियों को लेकर उपजी वैश्विक चिंताओं के मद्देनजर क्षेत्र में शांति, समृद्धि और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए एक साझा रणनीति विकसित करने के मकसद से आयोजित किया जा रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, दिल्ली में 26-27 सितंबर को प्रस्तावित इस सम्मेलन में 22 देशों के 15 सेना प्रमुख और प्रतिनिधिमंडल हिस्सा लेंगे। अमेरिकी सेना इस सम्मेलन की सह-मेजबानी कर रही है।

इंडो-पैसिफिक आर्मी चीफ्स कॉन्क्लेव में विभिन्न संकटों से निपटने में सैन्य कूटनीति की भूमिका, क्षेत्र के सशस्त्र बलों के बीच सहयोग में इजाफा करने के तरीकों और अंतर-संचालन को बढ़ावा देने के उपायों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। इस सम्मेलन के इतर भारत के स्वदेशी रूप से विकसित हथियारों, सैन्य प्रणालियों और मंचों की एक प्रदर्शनी भी आयोजित की जाएगी। भारतीय सेना आईपीएसीसी के 13वें संस्करण के साथ 47वें इंडो-पैसिफिक आर्मीज मैनेजमेंट सेमिनार और सीनियर एनलिस्टेड लीडर्स फोरम (एसईएलएफ) की भी मेजबानी करेगी। थल सेना के उपप्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एमवी सुचिंद्र कुमार ने कहा कि यह सम्मेलन साझा दृष्टिकोण के प्रति समान दृष्टिकोण विकसित करने का अनूठा अवसर प्रदान करेगा।

महिंद्रा एंड महिंद्रा का बाजार पूंजीकरण दो लाख करोड़ रुपये के पार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

Mahindra

मुंबई/भाषा। देश की प्रमुख वाहन विनिर्माता महिंद्रा एंड महिंद्रा लि. का बाजार पूंजीकरण दो लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। एसयूवी (स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल) की अच्छी मांग और ट्रैक्टर खंड में मजबूत स्थिति से कंपनी का बाजार पूंजीकरण बढ़ा है।

शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार महिंद्रा एंड महिंद्रा का शेयर बीएसई में 1,636.85 रुपये प्रति इक्विटी पर बंद हुआ। इसके साथ कंपनी का बाजार पूंजीकरण 2.03 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है।

वाहन बनाने वाली इस कंपनी का बाजार पूंजीकरण डेढ़ साल से भी कम समय में दोगुना हो गया है। अप्रैल, 2022 में यह एक लाख करोड़ रुपये पर था जबकि मौजूदा सप्ताह में यह दो लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कंपनी का बाजार पूंजीकरण सोमवार को पहली बार दो लाख करोड़ रुपये पर पहुंचा था।

महिंद्रा एंड महिंद्रा एसयूवी खंड में राजस्व के हिसाब से बाजार हिस्सेदारी में पहले स्थान पर है। हल्के वाणिज्यिक वाहन खंड में कंपनी की बाजार हिस्सेदारी 50 प्रतिशत है।

वहीं घरेलू ट्रैक्टर खंड में महिंद्रा एंड महिंद्रा का दबदबा है। पिछले दो साल में इसकी बाजार हिस्सेदारी तीन प्रतिशत बढ़ी है।

छत्तीसगढ़ में मुठभेड़ में दो महिला नक्सली ढेर

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा जिले में बुधवार को सुरक्षाकर्मियों ने मुठभेड़ में दो महिला नक्सलियों को मार गिराया। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दंतेवाड़ा और सुकमा जिले के सीमावर्ती क्षेत्र के नगरम-पोरो हिरमा गांव के जंगल में सुरक्षा बलों ने दो महिला नक्सलियों को मार गिराया है। उन्होंने बताया कि अरनपुर पुलिस थाना क्षेत्र में राज्य पुलिस की इकाई जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के दल को गश्त पर रवाना किया गया था।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दल जब आज सुबह लगभग सात बजे दंतेवाड़ा-सुकमा जिले के सीमावर्ती क्षेत्र नगरम-पोरो हिरमा गांव के जंगल में था तब नक्सलियों ने सुरक्षा बल पर गोलीबारी शुरू कर दी। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बल के जवानों ने जब जवाबी करवाई की तब नक्सली वहां से भाग गए।

तेल ले जा रहे टैंकर में लगी आग, कोई हताहत नहीं

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र में ठाणे जिले के भिवंडी तालुका में बुधवार को तेल ले जा रहा एक टैंकर आग लगने के कारण खाक हो गया, लेकिन इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना भिवंडी-नासिक बाइपास रोड पर सुबह करीब साढ़े दस बजे हुई। एक अधिकारी ने बताया कि भिवंडी निजामपुर महानगरपालिक के दमकलकर्मी सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंचकर आग बुझाने में लग गए, लेकिन तब तक टैंकर पूरी तरह से जल चुका था। उन्होंने कहा,'टैंकर के चालक और सहायक के वाहन से छलांग लगाकर निकल जाने से कोई घायल नहीं हुआ।'

पंजाब रोडवेज, पीआरटीसी के संविदा कर्मचारी हड़ताल पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब रोडवेज और पेप्सू सड़क परिवहन निगम (पीआरटीसी) के संविदा कर्मचारी वेतन में बढ़ोतरी समेत विभिन्न मांगों के समर्थन में बुधवार को हड़ताल पर चले गए।

हड़ताल के कारण राज्य के फाजिल्का और लुधियाना समेत विभिन्न बस अड्डों पर कई यात्रियों को परेशानी हुई। पंजाब रोडवेज, पनबस और पीआरटीसी निविदा कर्मचारी संघ के उपाध्यक्ष बलजीत सिंह ने

कहा कि वे वेतन में पांच प्रतिशत वार्षिक वृद्धि के वादे को लागू नहीं करने समेत विभिन्न मुद्दों को लेकर विरोध-प्रदर्शन कर रहे थे। उन्होंने बताया कि हड़ताल के मद्देनजर पंजाब रोडवेज और पीआरटीसी की लगभग 2,500 बसें सड़कों से नदारद रहीं। सिंह के मुताबिक, लगभग सात हजार संविदा कर्मचारी हड़ताल में शामिल हो रहे हैं और राज्य के स्वामित्व वाले परिवहन उपक्रम के केवल नियमित कर्मचारी ही काम पर पहुंचे हैं।

हड़ताल के आह्वान से अनभिज्ञ यात्रियों को राज्य के कई हिस्सों में असुविधा का सामना करना पड़ा। अमृतसर जाने के लिए लुधियाना बस स्टैंड पर इंतजार कर रही एक महिला ने कहा, मैं आधे घंटे से अधिक समय से सरकारी स्वामित्व वाली बस का इंतजार कर रही हूं। राज्य के सभी 27 बस डिपो पर कर्मचारी विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं।

कांग्रेस ने वैज्ञानिक समुदाय के साथ अन्याय किया: वाईएसआर नेता रेड्डी

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में बुधवार को वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के सदस्य वी विजय साई रेड्डी ने कांग्रेस पर तीखा हमला किया और आरोप लगाया कि उसने अपने शासनकाल में वैज्ञानिक समुदाय के साथ अन्याय किया। 'भारत की गौरवशाली अंतरिक्ष यात्रा और चंद्रयान-3 की सफल सॉफ्ट लैंडिंग' विषय पर राज्यसभा में चर्चा में भाग लेते हुए रेड्डी ने कहा कि देश में 1960 के दशक में अंतरिक्ष अनुसंधान भले ही शुरू हो गया था लेकिन उसे पर्याप्त संसाधन नहीं दिए गए।

उन्होंने कहा कि अगर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) को पर्याप्त संसाधन मुहैया कराए गए होते तो वह कई और उपलब्धियां हासिल करता। रेड्डी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी की विभिन्न सरकारों ने वैज्ञानिक समुदाय के साथ अन्याय किया है। उन्होंने इसरो के पूर्व वैज्ञानिक नंबी नारायणन से जुड़े मामले का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें फर्जी मामले में द्वारा फंसाया गया। उन्होंने कहा कि उस समय केंद्र और

केरल में कांग्रेस की सरकारें थीं जब नंबी नारायणन को फंसाया गया था। रेड्डी ने दावा किया कि बिना किसी सबूत के नारायणन को 50 दिनों तक जेल में रखा गया और उन्हें प्रताड़ित किया गया। उन्होंने कहा कि अंतत: उच्चतम न्यायालय से न्याय मिला और न्यायालय ने वैज्ञानिक को फंसाने वाले अधिकारियों के खिलाफ जांच का आदेश दिया। उन्होंने आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू पर भी निशाना साधा। विभिन्न विपक्षी दलों के सदस्यों की टोकाटोकी के बीच रेड्डी ने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' पर पर कुछ आरोप भी लगाए।

राजन्ना तीन और उप मुख्यमंत्री बनाने के अपने प्रस्ताव पर अड़े : कहा, इसमें कुछ भी गलत नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में तीन और उप मुख्यमंत्री बनाने की मांग को दोहराते हुए राज्य के सहकारी मंत्री के.एन.राजन्ना ने बुधवार को कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के हित को ध्यान में रखते हुए उनके प्रस्ताव में कुछ भी गलत नहीं है। उन्होंने कहा कि यह प्रस्ताव किसी के उकसावे में आकर पेश नहीं किया गया है। राजन्ना ने कहा कि वीरशैव-लिंगायत, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यक समुदायों के लोगों को उप मुख्यमंत्री का पद दिया जाना चाहिए। उन्होंने इन कयासों को भी बकवास करार दिया कि मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने इस तरह का विचार प्रकट करने के लिए कहा है।

मंत्री ने पहली बार यह प्रस्ताव 16 सितंबर को सार्वजनिक रूप से पेश किया। उन्होंने कहा कि वह इस मुद्दे पर कांग्रेस नेतृत्व से बात करेंगे। राजन्ना ने कहा, मैंने जाति या समुदाय आधारित तीन और उप मुख्यमंत्री बनाने का प्रस्ताव पेश किया, मुझे समझ नहीं आ रहा है कि इसमें गलत क्या है? मैंने पार्टी के हित में कांग्रेस नेतृत्व से इस पर विचार करने का अनुरोध किया है। अगर पार्टी नेतृत्व उचित समझेगा तो वह इसे लागू करेगा, अगर वह उचित नहीं समझेगा तो छोड़ देगा, इसमें कुछ भी गलत नहीं है।

राजन्ना ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, 'मीडिया के कुछ धड़ों में खबर चल रही है कि तीन उप मुख्यमंत्रियों का प्रस्ताव मैंने मुख्यमंत्री सिद्दरामैया के कहने पर दिया। न तो मैं सिद्दरामैया से इस मुद्दे पर मिला और न ही इस प्रस्ताव को उनके समक्ष रखा। इस बारे में कोई चर्चा नहीं की गई।' इस समय सिद्दरामैया मंत्रिमंडल में एक मात्र उप मुख्यमंत्री वोक्कालिगा समुदाय के डी.के.शिवकुमार हैं। वह राज्य में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष भी हैं।

कांग्रेस के एक धड़े का कहना है कि राजन्ना का बयान सिद्दरामैया गुट की योजना का हिस्सा है जो शिवकुमार को नियंत्रण में रखना चाहता है। चर्चा है कि राज्य सरकार का ढाई साल का कार्यकाल पूरा होने के बाद वह मुख्यमंत्री पद पर दावेदारी कर सकते हैं। ऐसे में सरकार और पार्टी दोनों में उनके प्रभाव को सीमित करने के लिए यह बयान दिलवाया गया।

शिवकुमार के महत्व को कम करने के लिए तीन और उप मुख्यमंत्री बनाने का प्रस्ताव लाने के आरोपों पर सफाई देते हुए राजन्ना ने कहा कि यह सच्चाई से कहीं दूर है। आगामी लोकसभा चुनाव पार्टी , देश और इस सरकार के लिए अहम है। हमें (कांग्रेस) कर्नाटक में और सीट जीतनी होगी । अगर हम कम सीट जीतते हैं तो वो (भारतीय जनता पार्टी) कहेंगे कि हमने जनादेश खो दिया है और हमें इस्तीफा देना चाहिए...इसलिए हमें लोकसभा की अधिक सीटें जीतनी हैं। इसके लिए मैंने तीन और उप मुख्यमंत्री का विचार सामने रखा।

विसर्जन

बुधवार को बेंगलूरु की अलसूर झील में बने विशेष कल्याणी में गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन को देखते हुए लोग।

आजतक के सुधीर चौधरी की अंतरिम सुरक्षा तीन अक्टूबर तक बढ़ी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । कर्नाटक उच्च न्यायालय ने बुधवार को आजतक के सलाहकार संपादक सुधीर चौधरी को प्रदान की गई अंतरिम सुरक्षा तीन अक्टूबर तक बढ़ा दी। उनके और समाचार चैनल आजतक के खिलाफ राज्य सरकार की अल्पसंख्यकों संबंधित योजना के कथित सांप्रदायिक कवरेज को लेकर एक एफआईआर दर्ज है। एकल पीठ के न्यायाधीश हेमंत चंदनगौदर ने कहा कि हम इस विषय को किसी और दिन देखेंगे, तब तक कोई कदम नहीं उठाया जाना चाहिए।

प्राथमिकी में कहा गया है कि चौधरी ने 11 सितंबर को अपने प्राइम टाइम शो में दावा किया था कि स्वावलंबी सारथी योजना केवल अल्पसंख्यकों को दी जा रही है, गैर-अल्पसंख्यक हिंदुओं को नहीं और कांग्रेस सरकार राज्य में तुष्टिकरण की साजिश रच रही है। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने सोशल मीडिया पर आई इस खबर को बकवास करार दिया और कहा कि इस योजना की शुरुआत पिछली भाजपा सरकार ने ही की थी। पीठ के समक्ष अपना पक्ष रखते हुए चौधरी के वकील उदय होला ने कहा कि राज्य के बजट में की गई घोषणा के विपरीत यह योजना केवल अल्पसंख्यकों तक सीमित है। बजट में स्पष्ट रूप से कहा गया था कि यह योजना अल्पसंख्यकों और एससी/एसटी समुदायों को प्रदान की जाएगी। कर्नाटक राज्य अल्पसंख्यक विकास निगम लिमिटेड के प्रशासनिक अधिकारी की शिकायत पर आईपीसी की धारा 153 ए (धर्म के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना) और 505 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया।

अदालत ने केंद्र से पूछा कि क्या वह एक्स कॉर्प को जारी आदेशों पर पुनर्विचार करेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार से पूछा है कि क्या वह माइक्रो-ब्लॉगिंग साइट पर कुछ ट्वीट्स, खातों और यूआरएल को अवरुद्ध करने के संबंध में एक्स कॉर्प (पूर्व में ट्विटर) को जारी किए गए आदेशों पर पुनर्विचार करेगी। कंपनी की अपील पर सुनवाई कर रही एक खंडपीठ ने सरकार को 27 सितंबर से पहले अपना रुख स्पष्ट करने का निर्देश दिया है। इसी दिन पीठ अपील पर दलीलें सुनेगी। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) ने 2 फरवरी, 2021 और 28 फरवरी, 2022 के बीच 10 सरकारी आदेश जारी किए थे, जिनमें तत्कालीन ट्विटर को 1,474 खातों, 175 ट्वीट, 256 यूआरएल और एक हैशटैग को अवरुद्ध करने का निर्देश दिया गया था।

इनमें से 39 से जुड़े आदेशों को ट्विटर ने एक याचिका में चुनौती दी थी। हालाँकि, एकल न्यायाधीश की पीठ ने इसकी याचिका खारिज कर दी थी और 50 लाख रुपये का जुर्माना भी लगा दिया था। कंपनी की अपील बुधवार को फिर से न्यायमूर्ति जी नरेंद्र और विजयकुमार ए पाटिल की खंडपीठ के सामने आई। अदालत ने याचिका में दिए गए आधारों में संशोधन करने और अतिरिक्त दस्तावेज पेश करने के लिए कंपनी के दो आवेदनों को अनुमति दे दी।

एक्स कॉर्प के वकील, वरिष्ठ अधिवक्ता साजन पूवैया ने तर्क दिया कि मंत्रालय द्वारा जारी किए गए अवरुद्ध आदेशों में कानून के अनुरूप अनिवार्य कारणों का उल्लेख नहीं किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि आदेशों को समीक्षा के लिए संबंधित मंत्रालय के सचिव को भेजा जा सकता है।

इस प्रस्ताव पर विचार करते हुए, अदालत ने निर्देश दिया कि इसे सचिव को वापस भेजा जाए और उन्हें इस पर गौर करने दिया जाए तथा यह बताने दिया जाए कि यह उचित है या नहीं। खंडपीठ ने यह भी कहा कि कंपनी पर 50 लाख रुपये का जुर्माना लगाने का कोई प्रावधान नहीं है। हालांकि कंपनी ने खंडपीठ के निर्देश पर अदालत में 25 लाख रुपये जमा कर दिए हैं।

कर्नाटक में सूखे जैसी स्थिति, अदालत से कावेरी प्राधिकरण के आदेश पर रोक का आग्रह करेंगे : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। कर्नाटक में 'सूखे जैसी स्थिति' का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने बुधवार को कहा कि राज्य सरकार सीडब्ल्यूएमए के आदेश पर स्थगन का अनुरोध करते हुए उच्चतम न्यायालय का रुख करेगी। कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) ने 28 सितंबर तक तमिलनाडु को रोजाना करीब 5000 क्यूसेक पानी छोड़ने का आदेश दिया था। प्राधिकरण का आदेश 18 सितंबर को आया था। सिद्दरामैया ने इस संबंध में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से हस्तक्षेप करने की भी मांग की है।

सिद्दरामैया और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार इस मामले पर चर्चा करने के लिए जलशक्ति मंत्री से मिल सकते हैं। इस बीच, वरिष्ठ भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कर्नाटक की कांग्रेस सरकार से इस मामले का राजनीतिकरण' नहीं करने की अपील की और कहा कि कर्नाटक, तमिलनाडु को 5000 क्यूसेक पानी में से 2500 क्यूसेक जारी करने पर राजी हो गया है।

इस मुद्दे पर यहां राष्ट्रीय राजधानी में कर्नाटक के सभी सांसदों एवं केंद्रीय मंत्रियों के साथ एक बैठक में चर्चा की गयी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को छोड़कर राज्य के सभी सांसद इस बैठक में मौजूद थे। इस बैठक के बाद सिद्दरामैया ने संवाददाताओं से कहा, राज्य मुश्किल में है क्योंकि हमारे यहां पर्याप्त वर्षा नहीं हुई है। 230 तालुकों में से 195 को सूखा प्रभावित घोषित कर दिया गया है। शीघ्र होने वाली एक बैठक में 20 और तालुका सूखा प्रभावित घोषित किये जाएंगे।

मुलाकात

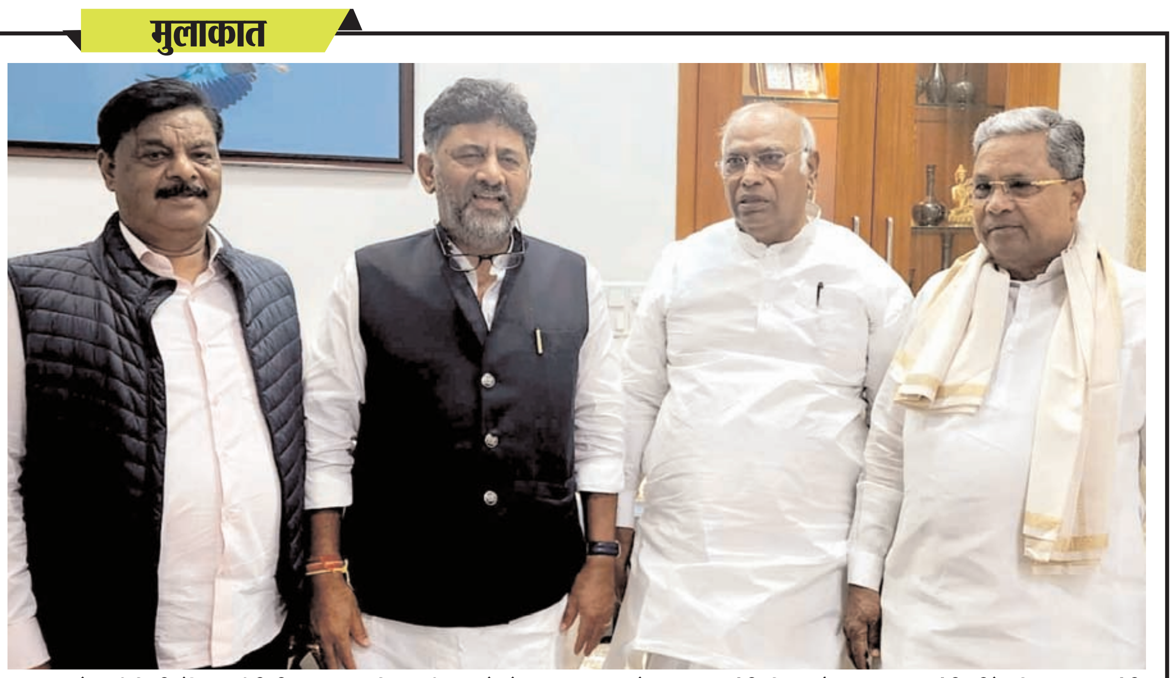

बुधवार को नई दिल्ली में एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात करते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामैया, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, मंत्री डॉ. एचसी महादेवप्पा।

ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने के लक्ष्य के साथ भारतीय महिला हॉकी टीम एशियाई खेलों के लिए रवाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता ने टीम के हांगझोउ रवाना होने से पहले कहा कि उनकी टीम एशियाई खेलों में अच्छा प्रदर्शन करके अगले साल पेरिस में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई करना चाहेगी। भारतीय महिला हॉकी टीम 23 सितंबर से शुरू होने वाले एशियाई खेलों के लिए मंगलवार की रात को रवाना हुई।

भारतीय टीम को कोरिया, मलेशिया, हांगकांग चीन और सिंगापुर के साथ पूल ए में रखा गया है। जापान, चीन, थाईलैंड, कजाकिस्तान और इंडोनेशिया को पूल बी में रखा गया है। प्रत्येक पूल से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम पेरिस ओलंपिक में जगह बनाएगी। भारत अपना पहला मैच 27 सितंबर को सिंगापुर के खिलाफ खेलेगा।

सविता ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, 'हमने लंबे समय तक चले राष्ट्रीय शिविर में कड़ी मेहनत की है और उन क्षेत्रों पर ध्यान दिया है जिनमें हमें सुधार करने की जरूरत है। हमने अपने मजबूत पक्षों और विपक्षी टीमों के हिसाब से अपनी रणनीति तैयार कर ली है।'

उन्होंने कहा, 'हमें उम्मीद है कि यह टूर्नामेंट हमारे लिए अच्छा रहेगा और हम सकारात्मक परिणाम हासिल करेंगे। हमारा लक्ष्य 2024 में होने वाले पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करना है और इसलिए हम इस बात से अच्छी तरह वाकिफ हैं कि यह टूर्नामेंट कितना महत्वपूर्ण है और हमें अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए क्या करना है।'

भारतीय महिला टीम में गोलकीपर सविता और बिचू देवी खारीबाम शामिल हैं। दीप ग्रेस एक्का, इशिका चौधरी, निक्की प्रधान और उदिता रक्षा पंक्ति जबकि सुशीला चानू, मोनिका, नवनीत कौर, नेहा, निशा, सलीमा टेटे, सोनिका और वैष्णवी विट्ठल फाल्के मध्य पंक्ति की जिम्मेदारी संभालेंगी। अग्रिम पंक्ति में दीपिका, लालरेम्सियामी, संगीता कुमारी और वंदना कटारिया को शामिल किया गया है। टीम की उप कप्तान दीप ग्रेस एक्का ने कहा, 'हमारी टीम अनुभव और युवा का अच्छा मिश्रण है।

सभी खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए आतुर है तथा मैदान पर अपना कौशल दिखाने के लिए मानसिक रूप से अच्छी तरह से तैयार हैं।'

सिंगापुर के खिलाफ शुरुआती मैच के बाद भारतीय टीम का सामना 29 सितंबर को मलेशिया, एक अक्टूबर को कोरिया और तीन अक्टूबर को हांगकांग चीन से होगा।

कुमारस्वामी भाजपा नेतृत्व से मुलाकात के लिए 21 सितंबर को दिल्ली का दौरा करेंगे, गठबंधन पर चर्चा संभव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रामनगर। जनता दल (एस) नेता एच.डी. कुमारस्वामी ने बुधवार को कहा कि वह 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए कर्नाटक में संभावित गठबंधन पर चर्चा करने के लिए भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व से मिलने के लिए 21 सितंबर को नई दिल्ली जाएंगे।

कुमारस्वामी ने जद (एस) और भाजपा के बीच सीट बंटवारे पर बातचीत संबंधी मीडिया रिपोर्ट को महज अटकलें करार दिया और कहा कि अभी तक इस संबंध में कोई चर्चा नहीं हुई है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कर्नाटक में सत्ता में आई कांग्रेस सरकार के खिलाफ मजबूत विपक्ष की आवश्यकता को भी रेखांकित किया और कहा कि चर्चा इसी पर केंद्रित होगी।

कुमारस्वामी ने सुबह संवाददाताओं से कहा, मैं सुबह दिल्ली जा रहा हूं। मैं कल केंद्र सरकार (भाजपा) के आलाकमान से मुलाकात करूंगा। लोकसभा चुनाव लड़ने की संभावना से इनकार करते हुए उन्होंने कहा कि चन्नापटना निर्वाचन क्षेत्र के लोगों ने उन्हें वोट दिया है और वह उनका प्रतिनिधित्व करते रहेंगे। बाद में दिन में कुमारस्वामी ने पत्रकारों से कहा, 'कल एक बैठक है। बैठक में चर्चा के बाद इसका नतीजा सामने आएगा। सभी मीडिया रिपोर्ट महज अटकलें हैं। सीट बंटवारे या अन्य चीजों को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई है।'

दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन की चर्चा तब से सुर्खियों में है, जब भाजपा के वरिष्ठ नेता बी.एस. येडीयुरप्पा ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि उनकी पार्टी आम चुनावों के लिए जद (एस) के साथ गठबंधन करेगी और क्षेत्रीय पार्टी कर्नाटक में चार लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जिसमें कुल 28 संसदीय निर्वाचन क्षेत्र हैं।

भाजपा ने 2019 के लोकसभा चुनावों में कर्नाटक में 25 सीटें जीती थीं, जबकि उसके समर्थन वाली निर्दलीय (मांड्या से सुमलता अंबरीश) ने एक सीट पर जीत हासिल की थी। कांग्रेस और जद(एस) ने एक-एक सीट जीती थी। इस साल मई में हुए 224 सदस्यीय कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 135 सीटें मिलीं, जबकि भाजपा को 66 और जद (एस) को 19 सीटें मिलीं।

ईदगाह मैदान विवाद

कर्नाटक हाईकोर्ट ने गणेश उत्सव की अनुमति देने का मामला अधिकारियों पर छोड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। गणेश उत्सव के मौके पर बेंगलुरु ईदगाह मैदान विवाद एक बार फिर सामने आ गया है। यहां पर कर्नाटक हाईकोर्ट ने गणेश उत्सव आयोजित की अनुमति देने का मामला अधिकारियों पर छोड़ दिया है। हाईकोर्ट ने चामराजपेट सिटीजन्स फोरम द्वारा दायर जनहित याचिका पर गौर करते हुए बुधवार को यह आदेश दिया। खंडपीठ ने इस संबंध में चामराजपेट ईदगाह मैदान में गणेश उत्सव मनाने की मांग को कानूनी रूप से सत्यापित करने और निर्णय लेने के लिए लोक अभियोजक को मौखिक रूप से निर्देश दिया है।

मंच के वकील श्रीधर प्रभु ने मामले की आपातकालीन सुनवाई की मांग की थी। उन्होंने बताया कि इस संबंध में जिला आयुक्त को एक ज्ञापन सौंपा गया था और त्योहार मनाने की अनुमति देने से इनकार कर दिया गया था। मंच का तर्क है कि चामराजपेट ईदगाह मैदान और खेल का मैदान राजस्व विभाग का है और वहां गणेश उत्सव मनाने की अनुमति दी जानी चाहिए। सरकार ने गणेश प्रतिमा की स्थापना की इजाजत देने से भी इनकार कर दिया था।

पिछली बीजेपी सरकार के कार्यकाल के दौरान बेंगलुरु में ईदगाह मैदान विवाद सबसे ज्यादा सामने आया था। हिंदू संगठनों ने एक विशाल रैली की घोषणा की थी। 12 जुलाई 2022 को बंद का आह्वान किया था और अधिकारियों से मैदान में हिंदू त्योहारों की अनुमति देने का आग्रह किया था। इस संबंध में हिंदू संगठन बेंगलूरु के जंगमा मठ में एक बैठक भी कर चुके हैं। हिंदू कार्यकर्ताओं ने ईदगाह मैदान को खेल के मैदान के रूप में बनाए रखने का संकल्प लिया था और 25 हिंदू संगठनों के साथ-साथ स्थानीय समूहों ने कानूनी लड़ाई लड़ने के साथ-साथ वक्फ बोर्ड के दावों को चुनौती देने के लिए हाथ मिलाया है कि ईदगाह मैदान उसकी संपत्ति है।

नारीशक्ति वंदन विधेयक

महिलाओं को वंदन की नहीं, सम्मान व समानता की जरूरत : कनिमोझी

चेन्नई/नई दिल्ली। द्रविण मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने बुधवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर महिला आरक्षण विधेयक को राजनीतिक रंग देने की कोशिश करने का आरोप लगाया और कहा कि महिलाओं को पूजा और वंदन की जरूरत नहीं है, उसे समानता और सम्मान की जरूरत है।

लोकसभा में 'संविधान (128वां संशोधन) विधेयक, 2023' पर चर्चा में भाग लेते हुए द्रमुक की सदस्य कनिमोझी ने इसका समर्थन किया और कहा, 'लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि भाजपा ने इसे भी राजनीतिक रंग देने की कोशिश की। वर्ष 2024 के चुनावों को ध्यान में रखकर यह विधेयक लाया गया है।'

उन्होंने कहा कि प्रतीकों की राजनीति (टोकनिज्म) बंद होनी चाहिए। कनिमोझी ने कहा कि सरकार ने इस प्रस्तावित कानून को 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' कहा है, लेकिन महिलाओं को वंदन, पूजा की जरूरत नहीं है, उन्हें सम्मान की, समानता की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'इस देश में, इस संसद में महिलाओं का अधिकार उतना ही है, जितना पुरुषों का है।'

द्रमुक सदस्य ने कहा कि सबसे पहली बार महिला आरक्षण विधेयक 1996 में तत्कालीन संयुक्त मोर्चा सरकार द्वारा उनकी पार्टी के सहयोग से लाया गया था। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार भी विधेयक लाई थी, लेकिन इस विधेयक को राज्यसभा में कांग्रेस-नीत संप्रग ने पारित कराया। कनिमोझी ने कहा कि उन्हें 2010 में राज्यसभा में इस विधेयक पर चर्चा में भाग लेने का मौका मिला था और आज 13 वर्ष बाद वह लोकसभा में इसी विधेयक पर अपने विचार रख रही हैं।

उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री करूणानिधि ने 2018 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर महिला आरक्षण विधेयक को पारित कराने की मांग की थी। उन्होंने कहा कि 2017 में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और द्रमुक नेता स्टालिन ने भी मोदी को पत्र लिखकर यह अनुरोध किया था।

बेंगलूरु में आरएसएस कार्यकर्ता बनकर बदमाशों ने लूटा गोमांस, 4 गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक पुलिस ने खुद को आरएसएस का कार्यकर्ता बताकर गोमांस लूटने और अपहरण करने के मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। इस संबंध में बेंगलूरु के औडुगोडी थाने में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने इस मामले में गोमांस विक्रेता मोहम्मद और उसके तीन साथियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, यह घटना 10 सितंबर को हुई।

जावेद नामक व्यक्ति रामनगर से गोमांस लेकर बेंगलुरु के तिलकनगर जा रहा था। जावेद को आरोपी मोहम्मद द्वारा संचालित दुकानों सहित विभिन्न दुकानों में गोमांस पहुंचाना था।

मोहम्मद के तीन सहयोगियों ने खुद को आरएसएस कार्यकर्ता बताते हुए बेंगलूरु में माइको लेआउट सिग्नल के पास वाहन को रोका। आरोपियों ने वाहन समेत जावेद का अपहरण कर लिया था। उन्होंने जावेद की रिहाई के लिए एक लाख रुपये की मांग की और बाद में 10,000 रुपये लेकर उसे रिहा कर दिया। आरोपियों ने जावेद को दूसरी जगह से गाड़ी लेने को कहा। हालांकि वाहन तो मिल गया, लेकिन गोमांस गायब हो गया था। जावेद ने इस संबंध में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी।

ऐको का नया अभियान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। टेक आधारित बीमा कंपनी ऐको ने अपना नया अभियान हेल्थ इंश्योरेंस की सुबह हो गई 'मामू' शुरू करने की घोषणा की है। कंपनी ने बुधवार को यहां जारी बयान में कहा कि शत प्रतिशत बिल भुगतान, तनाव मुक्त दावा प्रक्रिया के लिए बीमारियों का पूरा खुलासा प्रदान करने के लाभ और दावे दाखिल करने में आसानी के बारे में शिक्षित करने पर यह अभियान केंद्रित है। फिल्म निर्माता राजकुमार हिरानी द्वारा निर्देशित हेल्थ इंश्योरेंस की सुबह हो गई 'मामू' नामक अभियान में संजय दत्त और अरशद वारसी अपनी मूल भूमिकाओं को दोहराते हुए हैं और वर्तमान स्वास्थ्य बीमा प्रणाली पर सवाल उठाते दिखेंगें।

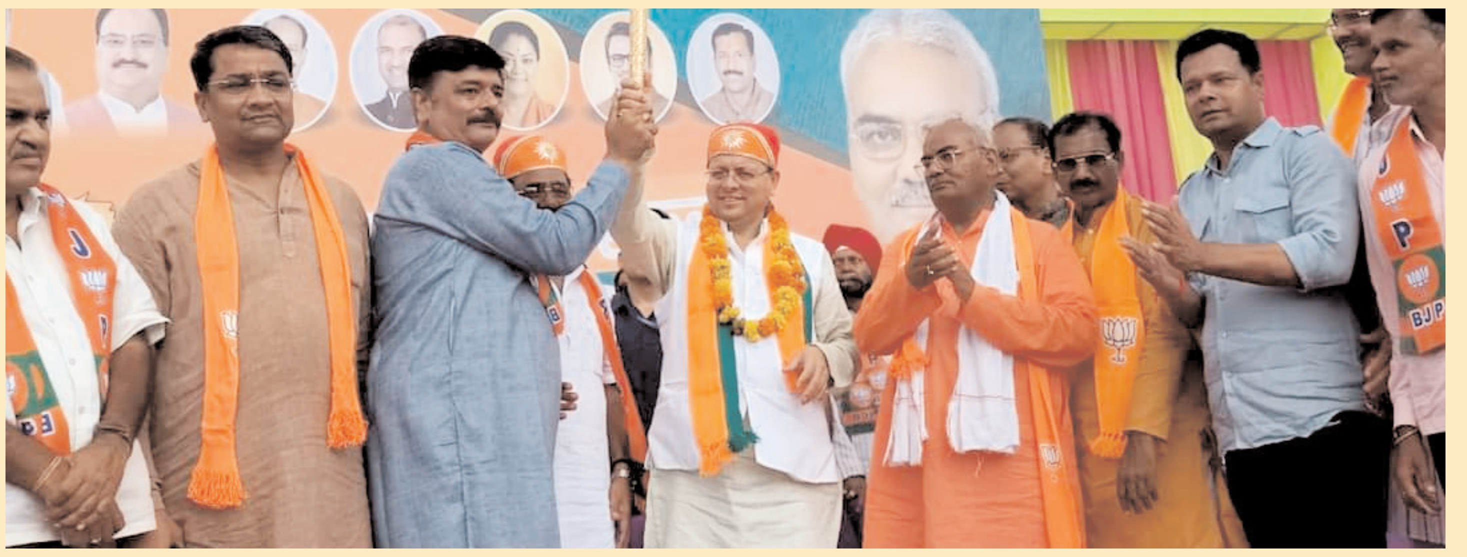

भाजपा राजस्थान इकाई में कोई गुटबाजी नहीं है : धामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने झालावाड़ में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की संकल्प यात्रा में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे की अनुपस्थिति को लेकर पार्टी की राजस्थान इकाई में गुटबाजी की अटकलों को बुधवार को खारिज किया और कहा कि यहां हर कोई एकजुट होकर काम कर रहा है। राजस्थान की मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री रह चुकीं राजे ने विभिन्न पदों पर कार्य के दौरान 33 वर्षों तक झालावाड़ का प्रतिनिधित्व किया और यहां आयोजित एक कार्यक्रम में उनके शामिल नहीं होने से पार्टी के भीतर कलह की अटकलों को बल मिला।

झालावाड़ में कार्यक्रम के लिए कोटा पहुंचे धामी ने इन अफवाहों को खारिज करते हुए विश्वास जताया कि भाजपा इस साल होने वाले विधानसभा चुनावों में राजस्थान में सत्ता में वापसी करेगी। परिवर्तन संकल्प यात्रा से राजे की अनुपस्थिति के कारण पार्टी में गुटबाजी के कांग्रेस के दावों के बारे में पूछे जाने पर धामी ने पत्रकारों से कहा, भाजपा न केवल देश में बल्कि पूरी दुनिया में सबसे बड़ी पार्टी है। पार्टी में हर कोई एकजुट होकर काम कर रहा है और भाजपा यहां (राजस्थान में) सत्ता में लौटेगी।

भाजपा के पूर्व विधायक हीरालाल नागर ने पुष्टि की है कि राजे का झालावाड़ में यात्रा में भाग लेने का कार्यक्रम नहीं है। उन्होंने कहा कि राजे को कुछ अन्य जिम्मेदारी दिए जाने की संभावना है। भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा ने मंगलवार को झालावाड़ में प्रवेश किया था जिसका राजे ने पांच बार लोकसभा में प्रतिनिधित्व किया है। वह झालरापाटन से चार बार विधायक भी रही हैं। राजे के बेटे एवं झालावाड़-बारां से सांसद दुष्यंत सिंह का भी यात्रा में भाग लेने का कार्यक्रम नहीं है। नागर ने बताया कि परिवर्तन संकल्प यात्रा रामगंजमंडी, मोड़क और कनवास से गुजरते हुए बृहस्पतिवार को कोटा में प्रवेश करेगी। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री धामी ने संसद में महिला आरक्षण विधेयक पेश किए जाने पर भी बात की। धामी ने कहा, नरेन्द्र मोदी आजादी के बाद पहले प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने पहले दिन से ही 'मातृ शक्ति' के लिए काम किया है और महिलाओं के लिए उज्ज्वला योजना जैसी कई योजनाएं शुरू कीं। उन्होंने कहा, 'मातृ शक्ति' का उत्थान उनका प्रमुख काम रहा है। उन्होंने संसद में महिला आरक्षण विधेयक पेश करने के लिए प्रधानमंत्री का आभार जताया।

चुनाव को लेकर सरगर्मियां तेज, मोदी, खरगे एवं राहुल की होगी जनसभाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों के सक्रिय होने से चुनावी सरगर्मियां तेज होने लगी है और अगले चार-पांच दिन में राजधानी जयपुर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे एवं पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की जनसभाएं होने वाली हैं वहीं जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) की सीकर में बड़ी रैली होगी जबकि आम आदमी पार्टी एवं अन्य दल भी अभियान एवं यात्रा के माध्यम से जनता का ध्यान अपनी ओर खींचने का प्रयास करेंगे।

राजस्थान में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा प्रदेश में परिवर्तन संकल्प यात्रा निकाल रही है और गत दो से पांच सितंबर तक लगातार चारों दिशाओं में अलग अलग स्थानों से चार परिवर्तन यात्राओं को रवाना किया गया और अब इनका समापन 19 से 22 सितंबर के बीच हो रहा है। इन चारों यात्राओं के समापन पर मुख्य कार्यक्रम 25 सितंबर को जयपुर में रखा गया जिसमें मोदी शरीक होंगे और जनसभा को संबोधित करेंगे। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सी पी जोशी के अनुसार इस अवसर पर मोदी की जयपुर के सूरजपुरा (वाटिका) में जनसभा होगी जहां भाजपा के प्रदेश पदाधिकारियों से लेकर बूथ अध्यक्ष तक के कार्यकर्ता भाग लेंगे और एक विशाल जनसभा होगी जिसमें पार्टी के सभी नेता मौजूद रहेंगे। उल्लेखनीय है कि चुनाव के मद्देनजर मोदी का ध्यान राजस्थान पर पिछले कई महीनों से है और वे पिछले करीब एक साल में गत वर्ष सितंबर से अब तक प्रदेश के आठ दौरे कर चुके हैं। उन्होंने इस दौरान सिरोही जिले के आबू रोड, बांसवाड़ा के मानगढ़ धाम, भीलवाड़ा, दौसा, नाथद्वारा और आबू रोड, अजमेर, बीकानेर एवं सीकर में जनसभाएं की हैं। इसी तरह कांग्रेस के कई शीर्ष नेता भी कई बार राजस्थान का दौरा कर चुके हैं और 23 सितंबर को प्रदेश कांग्रेस के नवीन भवन के शिलान्यास के अवसर पर खड़गे और राहुल गांधी का दौरा फिर से हैं और वे इस दौरान नए भवन का शिलान्यास करेंगे। इसके बाद वे कांग्रेस के जिला, मंडल, ब्लॉक और बूथ अध्यक्षों के सम्मेलन को संबोधित करेंगे। इस सम्मेलन के जरिए भी कांग्रेस के बड़ी संख्या में लोग जुटेंगे और चुनाव के मद्देनजर एक संदेश देने का प्रयास होगा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में जिस तरह की ऐतिहासिक योजनाओं के माध्यम से जनकल्याण के कार्य किए गए हैं, उन्हें जनता समझे और कांग्रेस की सरकार को रिपीट करने में भागीदार बन सके।

शिगूफे छोड़ना भाजपा की पुरानी आदत : पायलट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने बुधवार को भाजपा नीत केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि लोगों को गुमराह करने के लिए शिगूफे छोड़ना भाजपा की पुरानी आदत है। पायलट ने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक पर सभी दलों की आम सहमति थी, लेकिन केंद्र ने इस मुद्दे पर लुकाछिपी का खेल खेला और रहस्य बनाए रखा। प्रदेश के टोंक जिले में संवाददाताओं से बातचीत के दौरान पायलट ने कहा, 'इस तरह के शिगूफे छोड़े जाते हैं ताकि लोगों का ध्यान बंट जाए। विशेष सत्र बुलाया तो पहले बताना चाहिए था कि क्यों बुला रहे हैं, सर्वदलीय बैठक होती।'

पायलट ने कहा, 'महिला आरक्षण विधेयक पर सभी दलों की आमराय है तो यह लुकाछिपी का खेल क्यों खेला गया? छुपछुप कर रात में घोषणा करना व रहस्य बनाकर रखना, विशेष सत्र बुलाना... इस तरह के शिगूफे छोड़ देना भाजपा की पुरानी आदत है।' कांग्रेस नेता ने कहा, 'हम तो मुद्दे की बात करते हैं...विकास की, नौजवान की, महंगाई की... उन मुद्दों की चर्चा तो भाजपा नहीं कर सकती...क्योंकि केंद्र सरकार का रिपोर्ट कार्ड खाली है और राजस्थान में भी भाजपा मुद्दाहीन है, सिर्फ सत्ता हासिल करने के लिए लोगों के बीच जा रहे हैं।'

उन्होंने महिला आरक्षण विधेयक में संशोधन की जरूरत पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर केंद्र की मंशा साफ होती तो वह संप्रग सरकार द्वारा लाए गए विधेयक को राज्यसभा में पारित कराती। उन्होंने कहा, 'इसमें संशोधन की आवश्यकता क्या थी, जो विधेयक हमने पहले राज्यसभा में पारित करवाया था उसे पारित करते। अब यह छह-सात साल आगे होगा, पहले जनगणना होगी, परिसीमन होगा फिर आरक्षण लागू होगा.. तो इतना पहले यह करना?.. सिर्फ वाहवाही लूटनी थी।'

उन्होंने कहा, 'अगर सच में मंशा साफ होती...वह चाहते कि लागू करें तो वे अभी कर सकते थे। इसमें अड़चन क्या थी .. लेकिन ये सब करते कुछ हैं और इनका मन कुछ और होता है।

' पायलट ने कहा कि भाजपा राजस्थान में प्रभावी विपक्ष की भूमिका निभाने में विफल रही है क्योंकि उसने सरकार पर केवल आरोप लगाए लेकिन जनता से जुड़ने के लिए काम नहीं किया।

आरएसजीएल द्वारा वाणिज्यिक क्षेत्र में प्राकृतिक गैस वितरण में 61 फीसदी बढ़ोतरी : वीनू गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य सरकार के संयुक्त उपक्रम राजस्थान स्टेट गैस का बुधवार को 11 वां स्थापना दिवस मनाया गया। अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस, पेट्रोलियम व चैयरपरसन आरएसजीएल श्रीमती वीनू गुप्ता ने बताया है कि राजस्थान स्टेट गैस लि. द्वारा 13 सीएनजी स्टेशनों के माध्यम से 24 घंटें वाहनों को सीएनजी गैस उपलब्ध कराई जा रही हैं वहीं इस साल के आरंभिक पांच माह में गए वित्तीय वर्ष की तुलना में वाणिज्यक क्षेत्र में प्राकृतिक गैस वितरण में 115 फीसदी तो डोमेस्टिक क्षेत्र में प्राकृतिक गैस के वितरण में 61 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की है।

एसीएस श्रीमती वीनू गुप्ता बुधवार को जयपुर में राजस्थान स्टेट गैस लि. के स्थापना दिवस के अवसर पर यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरएसजीएल द्वारा कोटा में पाइपलाइन से घरेलू उपभोक्ताओं को गैस उपलब्ध कराने के लिए आधारभूत संरचना विकसित करने के साथ ही पीएनजी गैस के चरणबद्ध तरीके से गैस कनेक्शन भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि आरएसजीएल लगातार लाभ में काम कर रहा है।

चैयरपरसन श्रीमती गुप्ता ने स्थापना दिवस पर सभी प्रमोटर्स, स्टेक होल्डर्स, अधिकारियों व कार्मिकों को बधाई देते हुए संस्थान के उत्तरोत्तर प्रगति की कामना की। आरएसजीएल के प्रबंध संचालक रणवीर सिंह ने बताया कि आरएसजीएल द्वारा कोटा में नौ सीएनजी स्टेशन, जयपुर के कूकस में एक, नीमराना में एक और मध्यप्रदेश के ग्वालियर व श्योपुर में एक-एक सीएनजी स्टेशनों की स्थापना कर 24 घंटें सीएनजी गैस उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि कोटा में जिन क्षेत्रों में पाइपलाइन बिछा दी गई है उन क्षेत्रों में पाइपलाइन से गैस कनेक्शन दिये जाने का कार्य जारी है।

धौलपुर में ऋषि पंचमी पर ऐतिहासिक लक्खी मेले का हुआ आगाज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर। राजस्थान के धौलपुर में तीर्थराज मचकुंड पर लगने वाले ऐतिहासिक लक्खी मेले की शुरुआत आज ऋषि पंचमी पर शाही स्नान के साथ हुई। इस अवसर पर ग्वालियर, मुरैना, अयोध्या, वृन्दावन, मथुरा एवं उत्तर भारत के अन्य राज्यों से आये साधु,संतों एवं महात्माओं के मचकुंड सरोवर पर शाही स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने सरोवर में डुबकी लगाईं।

महिलाओं एवं बालिकाओं ने भी तीर्थराज मचकुंड में स्नान के बाद विशेष पूजा अर्चना के साथ सप्त ऋषि की कथा सुनकर दान दक्षिणा करके लोगों को भोजन कराया।

ऋषि पंचमी से देवछठ तक चलने वाले इस मेले की शुरुआत करते हुए ग्वालियर, मुरैना, अयोध्या, वृन्दावन, मथुरा एवं अन्य जिलों से आए हुए संतों की सवारियां बैंड-बाजों के साथ मंगल भारती मंदिर से शुरू होकर मचकुंड सरोवर पहुंची जहां संतों ने सरोवर में शाही स्नान किया. शाही स्नान के बाद संतों ने तीर्थराज मचकुण्ड की पूजा-अर्चना कर दो दिन तक चलने वाले तीर्थराज मचकुंड मेला का शुभारम्भ किया।

गौरतलब है कि ऐतिहासिक तीर्थराज मचकुंड मेले में उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश एवं राजस्थान के आस-पास के क्षेत्रो के श्रद्धालु बड़ी संख्या में सरोवर में डुबकी लगाने पहुंचते है। छठ तक चलने वाले इस मेले मे राजस्थान के अलावा अन्य राज्यों से लाखों की संख्या में श्रद्धालु सरोवर मे स्नान करने यहां पहुंचते हैं जिसको लेकर भारी पुलिस जाप्ते के साथ बंदोबस्त किया गया है।

न्यायालय ने स्मार्टफोन के बजाय गारंटी कार्ड देने की वैधता पर सरकार से जवाब मांगा

जोधपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय ने मंगलवार को राज्य सरकार को नोटिस जारी कर इंदिरा गांधी स्मार्टफोन योजना के दूसरे चरण में स्मार्टफोन के बजाय 'स्मार्टफोन गारंटी कार्ड' जारी करने की वैधता पर जवाब मांगा। न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई और योगेन्द्र कुमार पुरोहित की खंडपीठ ने 2,500 करोड़ रुपये के बजट पर लगभग एक करोड़ चिरंजीवी कार्ड धारक परिवारों की महिला प्रमुखों को इंटरनेट कनेक्टिविटी के साथ स्मार्टफोन गारंटी कार्ड वितरित करने के योजना विभाग के आदेश की वैधता और औचित्य को चुनौती देने वाली एक जनहित याचिका को स्वीकार करते हुए नोटिस जारी किया।

बांधों एवं परियोजनाओं के निर्माण के दौरान गुणवत्ता नियमों की हो पालना : मालवीय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जल संसाधन एवं इंदिरा गांधी नहर परियोजना मंत्री महेन्द्रजीत सिंह मालवीय ने कहा कि जल संसाधन विभाग द्वारा निर्मित किए जाने वाले बांधों तथा सिंचाई एवं पेयजल परियोजनाओं के निर्माण के दौरान सभी तकनीकी पहलु बारीकी से देखे जाएं एवं क्वालिटी कंट्रोल मैनुअल के समस्त प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य हों ताकि गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं हो एवं ये स्ट्रक्चर सालों-साल मजबूत रहें। मालवीय बुधवार को सचिवालय स्थित अपने कक्ष में जल संसाधन विभाग द्वारा प्रकाशित क्वालिटी कंट्रोल मैनुअल के प्रथम संशोधित संस्करण-2023 का विमोचन करने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अभियंता बांधों एवं अन्य बड़ी परियोजनाओं के निर्माण के दौरान गुणवत्ता बनाए रखने के लिए हर पहलू पर ध्यान दें एवं क्वालिटी कंट्रोल विंग के अधिकारी निर्माण सामग्री एवं कार्य की गुणवत्ता जांच नियमित रूप से करे ताकि जो स्ट्रक्चर बनें उनकी मजबूती बेमिसाल हो।

अतिरिक्त मुख्य सचिव, जल संसाधन एवं आईजीएनपी डॉ. सुबोध अग्रवाल ने कहा कि विभागीय अभियंता मैनुअल में वर्णित गुणवत्ता नियंत्रण की समस्त गाइडलाइन का अनुसरण करते हुए बांधों एवं परियोजनाओं के निर्माण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करें। मुख्य अभियंता, गुणवत्ता नियंत्रण (जल संसाधन विभाग) डीआर मीणा ने बताया कि क्वालिटी कंट्रोल मैनुअल के प्रथम रिवीजन-2023 में नई तकनीक एवं नई मशीनरी के उपयोग के बारे में जानकारी देने के साथ ही बांधों एवं परियोजनाओं के निर्माण कार्यों के दौरान गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक प्रावधानों को शामिल किया गया है।

मुलाकात

सीकर में बुधवार को अपने आवास पर कार्यकर्ताओं एवं पदाधिराकिरयों से मुलाकात करते कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा।

आमजन को मतदान के लिए करें जागरूक : डॉ.भारती दीक्षित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. भारती दीक्षित ने चुनाव से जुड़े अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि आमजन को मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए प्रयासों को तेज करें। इसके लिए सभी विधानसभा क्षेत्रों में स्वीप गतिविधियां बढ़ाई जाएं। प्रत्येक वर्ग को मतदान के लिए प्रेरित किया जाए। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. भारती दीक्षित ने कलेक्ट्रेट में विधानसभा चुनाव 2023 की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की अर्हता दिनांक एक अक्टूबर 2023 के अनुसार प्राप्त समस्त आवेदन पत्रों के निस्तारण की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही मतदाता सूची में नाम विलोपन आदि की कार्यवाही का कार्य त्रिस्तरीय जांच के आधार पर किया जाए। घर-घर सर्वे का कार्य अजमेर उत्तर तथा केकड़ी विधानसभा क्षेत्र में तत्काल प्रभाव से पूर्ण हो।

उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्रों में सेक्टर अधिकारियों एवं पुलिस अधिकारियों के सेक्टर भ्रमण आगामी सप्ताह से आरम्भ होंगे। इसके लिए समस्त निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी बैठक लेंगे। इसमें सेक्टर अधिकारियों से दायित्वों के सम्बन्ध में चर्चा की जाएगी। सम्पूर्ण विधानसभा क्षेत्रों में स्वीप गतिविधियों की गति को बढ़ाया जाए। स्थानीय स्तर पर गतिविधियों का आयोजन कर व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित हो। नवाचार के साथ स्वीप गतिविधियां करके साप्ताहिक रिपोर्ट तैयार होगी।

उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में पंजीकृत 80 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं तथा दिव्यांग मतदाताओं पर विशेष फोकस किया जाए। इस प्रकार के मतदाताओं का मतदान सुनिश्चित करने के लिए प्रयास हो। इस सम्बन्ध में उनसे सहमति प्रात की जाए।

समग्र शिक्षा की प्रगति की समीक्षा योजनाओं के समयबद्ध संचालन से विद्यार्थियों को लाभान्वित करे : जाहिदा खान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शिक्षा राज्य मंत्री श्रीमती जाहिदा खान ने प्रदेश के सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों के लिए समग्र शिक्षा अभियान के तहत संचालित योजनाओं और कार्यक्रमों का समयबद्ध संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। श्रीमती खान बुधवार को शिक्षा संकुल में आयोजित बैठक में राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद द्वारा संचालित योजनाओं और गतिविधियों समीक्षा के लिए आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रही थी। शिक्षा राज्य मंत्री श्रीमती खान ने बैठक में प्रदेश की स्कूलों में आईसीटी लैब के माध्यम से शिक्षण व्यवस्था की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि विद्यालयों के निरीक्षण के दौरान अधिकारी वहां संचालित आईसीटी लैब में कम्प्यूटर्स की क्रियाशीलता की आवश्यक रूप से जांच करे। उन्होंने स्टार और समग्र शिक्षा के तहत प्रदेश के अन्य विद्यालयों में स्थापित की जाने वाली आईसीटी लैब्स के कार्यों को भी तत्परता से समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि प्रदेश के जिन विद्यालयों में आईसीटी लैब स्थापित है, उनकी मॉनिटरिंग के लिए शाला दर्पण पोर्टल पर मॉड्यूल को अपडेट किया गया है। बैठक में शिक्षा राज्य मंत्री ने स्कूल शिक्षा परिषद के गलियारों में सीसीटीवी लगाने के कार्य को भी शीघ्रता से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्कूलों में ओपन जिम, स्मार्ट किचन, इंसीनेटर कम वेडिंग मशीन लगाने जैसे कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्धारित टाइमलाइन की पालना के निर्देश दिए। बैठक में स्कूल शिक्षा विभाग के शासन सचिव नवीन जैन ने कहा कि स्कूल शिक्षा परिषद में नव पदस्थापित उप निदेशक और सहायक निदेशक अपने अनुभाग के उच्चाधिकारियों से समन्वय करते हुए सभी योजनाओं और गतिविधियों को समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने में जुट जाए। बैठक में राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद की आयुक्त एवं राज्य परियोजना निदेशक डॉ. टी. शुभमंगला, उप निदेशक, सहायक निदेशक और अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सिंधिया अरुणाचल में तेजु हवाई अड्डे पर नव विकसित ढांचे का उद्घाटन करेंगे

इटानगर/भाषा। अरूणाचल प्रदेश के लोहित जिले में स्थित तेजु हवाई अड्डे पर नव विकसित ढांचे का नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, मुख्यमंत्री पेमा खांडू के साथ 24 सितंबर को उद्घाटन करेंगे।

अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि नवविकसित अवसरंचना में विस्तारित रनवे, नया 'एप्रन' (विमान खड़ा करने का स्थान), नई टर्मिनल इमारत, नया दमकल स्टेशन और एक एटीसी टावर शामिल है। उन्होंने बताया कि इन्हें बनाने पर 170 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। हवाई अड्डा 212 एकड़ भूमि पर विकसित किया गया है और इसपर एटीआर-72-जैसे विमानों का परिचालन किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने हवाई अड्डे पर उन्नयन का कार्य किया है। क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना 'उड़ान' के तहत 2018 में हवाई अड्डा चालू किया गया था। यह फिलहाल डिब्रुगढ़, इंफाल और गुवाहाटी को जोड़ता है।

महिला आरक्षण पर राजनीति कर रही कांग्रेस, पूरा श्रेय प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा : दुबे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने कांग्रेस पर महिला आरक्षण विधेयक को लेकर राजनीति करने का आरोप लगाते हुए बुधवार को लोकसभा में कहा कि आधी आबादी को अधिकार देने का विधेयक लाने का श्रेय केवल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी पार्टी को जाता है।

निचले सदन में महिला आरक्षण से संबंधित 'संविधान (128वां संशोधन) विधेयक, 2023' पर चर्चा में भाग लेते हुए दुबे ने कहा कि कांग्रेस समेत विपक्षी दल इतने वर्षों तक इस विधेयक को लेकर नहीं आए और प्रधानमंत्री मोदी तथा भाजपा ने इसे लाने का नैतिक साहस दिखाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस विधेयक का श्रेय लेना चाहती है, लेकिन विपक्ष गलत विधेयक लेकर आया था। दुबे ने कहा, ''आपने इसमें भी राजनीति की। जो जीता वही सिकंदर होता है। गोल मारने वाले को ही श्रेय दिया जाता है और आज यह गोल प्रधानमंत्री ने मारा है। यह प्रधानमंत्री और भाजपा का विधेयक है, आपको मानना पड़ेगा।'' उन्होंने कांग्रेस पर आरोप भी लगाया कि वह कभी राज्यसभा और विधान परिषद में महिलाओं को आरक्षण देने की मांग करके तो कभी ओबीसी को आरक्षण और कोटा में कोटा की बात करके इस विधेयक पर भी राजनीति कर रही है। कांग्रेस ने संविधान सभा के समय से लेकर आज तक उच्च सदन और विधान परिषद में आरक्षण की बात नहीं की, लेकिन अब 'गलत तरह का माहौल पैदा' कर रही है। दुबे ने कहा, ''आप (कांग्रेस) राजनीति के माध्यम से इस विषय को लॉलीपॉप बनाते रहे। आप चाहते हैं कि यह सरकार भी यही करे।'' 2024 के चुनाव से पहले विधेयक को कानून बनाकर लागू करने की मांग भी राजनीति का हिस्सा है क्योंकि संविधान के अनुच्छेद 82 में स्पष्ट है कि पहले जनगणना, फिर परिसीमन करने के बाद ही इस विधेयक को लागू किया जा सकेगा। दुबे ने कहा कि कोरोना महामारी के कारण देश में दो साल तक सबकुछ ठप रहा और ऐसे में जनगणना कैसे हो सकती थी। उन्होंने कहा कि जनगणना संवैधानिक विषय है और गृह मंत्री अमित शाह हमेशा कहते हैं कि वह कोई असंवैधानिक काम नहीं करेंगे और जब जनगणना होगी तो सभी को बताया जाएगा और उसके बाद यह विधेयक लागू किया जाएगा। दुबे ने चर्चा की शुरुआत करने वाली कांग्रेस की नेता सोनिया गांधी के वक्तव्य का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष जब बोल रही थीं तो लगा था कि वह राजनीति से ऊपर उठकर बात करेंगी, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया।

कुर्मी समाज के आंदोलन की वजह से कई ट्रेन रद्द या उनका मार्ग बदला गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भुवनेश्वर/भाषा। झारखंड और ओडिशा में कुर्मी समाज के सदस्यों के विरोध प्रदर्शन और नाकेबंदी की वजह से दक्षिण पूर्वी रेलवे (एसईआर) और पूर्वीय तटीय रेलवे (ईसीओआर) ने बुधवार को कई ट्रेन रद्द कर दीं या उनके मार्गों को बदल दिया जिनमें राजधानी एक्सप्रेस और वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन भी शामिल हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एसईआर रेलवे ने एक विज्ञप्ति में बताया कि कुल सात ट्रेन रद्द की गई हैं और नौ का मार्ग बदला गया है।

उसमें कहा गया है कि 'कुर्मी समाज द्वारा किए जा रहे आंदोलन' की वजह से ट्रेन के मार्गों में बदलाव किया गया है जिनमें पटना-रांची वंदे भारत एक्सप्रेस और हावड़ा-मुंबई दुरंतो एक्सप्रेस शामिल हैं जबकि हावड़ा-मुंबई गीतांजलि एक्सप्रेस और हटिया-खड़गपुर एक्सप्रेस समेत अन्य ट्रेन को रद्द किया गया है।

इस बीच, ईसीओआर ने एक अन्य विज्ञप्ति में बताया कि आज के लिए कई ट्रेन को रद्द या उनके मार्गों में परिवर्तन किया गया है जिनमें भुवनेश्वर-नई दिल्ली दुरंतो एक्सप्रेस और भुवनेश्वर-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस शामिल हैं। इसमें कहा गया है कि कोलकाता उच्च न्यायालय के निर्देशों के तहत कुर्मी आदिवासी समाज के आंदोलन को कल रद्द कर दिया गया था लेकिन उसने आज नया मोड़ ले लिया और झारखंड के विभिन्न इलाकों में आंदोलन शुरू हो गया। विज्ञप्ति में कहा गया है कि आंदोलन झारखंड में चक्रधरपुर के पास मनोहरपुर तथा गोमोह और मुरी के पास अन्य स्थानों पर किया जा रहा है।

सांसदों को दी गई संविधान की प्रति की प्रस्तावना में 'धर्मनिरपेक्ष' और 'समाजवादी' शब्द नहीं थे : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस पार्टी ने बुधवार को आरोप लगाया कि नये संसद भवन के उद्घाटन के दिन सांसदों को दी गई संविधान की प्रति में प्रस्तावना से धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी शब्द गायब थे। लोकसभा में पार्टी के नेता अधीर रंजन चौधरी ने यह आरोप लगाया। इस विवाद के बारे में पूछे जाने पर कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने संवाददाताओं से कहा, ''(सांसदों को दी गई संविधान की प्रति की) प्रस्तावना में यह (धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी शब्द) नहीं था।''

कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि प्रति में संविधान की प्रस्तावना का मूल संस्करण था और ये शब्द बाद में संवैधानिक संशोधनों के बाद इसमें जोड़े गए थे। उन्होंने कहा, ''यह मूल प्रस्तावना के अनुसार है। संशोधन बाद में किए गए।'' मामले को गंभीर करार देते हुए चौधरी ने कहा कि शब्दों को बड़ी ही चालाकी से हटा दिया गया है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार की मंशा पर संदेह व्यक्त किया। चौधरी ने कहा, ''संविधान की प्रस्तावना की जो प्रति हम नये भवन में ले गए, उसमें धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी शब्द शामिल नहीं हैं। उन्हें चतुराई से हटा दिया गया है... यह एक गंभीर मामला है और हम इस मुद्दे को उठाएंगे।''

इसरो के वैज्ञानिकों, कर्मचारियों को वेतन न मिलने के आरोपों से दस्तीदार सदन को गुमराह कर रही हैं : रीजीजू

नई दिल्ली। पृथ्वी विज्ञान मंत्री किरेन रीजीजू ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की मौजूदा एवं पूर्व महिला वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों के वेतन/मानदेय न दिये जाने के तृणमूल कांग्रेस की एक सदस्य के आरोपों को बुधवार को अनुचित और निराधार करार दिया।

रीजीजू ने 'नारीशक्ति वंदन विधेयक' पर लोकसभा में चर्चा के दौरान टीएमसी की सदस्य डॉ. काकोली घोष दस्तीदार के आरोपों पर जवाब देते हुए कहा, ''संसद में सदस्यों द्वारा बोला गया एक-एक बयान रिकॉर्ड का हिस्सा होता है। ऐसे में टीएमसी की सदस्य को अनुचित और निराधार बातें करके सदन को गुमराह नहीं करना चाहिए था।'' दस्तीदार ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और विभिन्न भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) में महिला वैज्ञानिकों, कर्मचारियों, प्राध्यापकों को वेतन/मानदेय का भुगतान समय पर नहीं किये जाने का सरकार पर आरोप लगाया।

देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम की उपलब्धियां 60 साल लंबी यात्रा का परिणाम : रमेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने राज्यसभा में बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)-नीत केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र में देश की अब तक की उपलब्धियां किसी एक सरकार के कार्यकाल में नहीं हासिल हुई, बल्कि यह 60 साल लंबी यात्रा का परिणाम है। 'भारत की गौरवशाली अंतरिक्ष यात्रा चंद्रयान-3' की सफल सॉफ्ट लैंडिंग विषय पर उच्च सदन में अल्पकालिक चर्चा में भाग लेते हुए रमेश ने कहा कि नेता सदन पीयूष गोयल के संबोधन से ऐसा प्रतीत हुआ कि देश की गौरवशाली अंतरिक्ष यात्रा की शुरुआत 2014 में हुई और इस यात्रा के सूत्रधार प्रधानमंत्री (नरेन्द्र मोदी) हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी धारणा बनाई जा रही है कि चंद्रयान-3 और आदित्य एल-1 की सफलता एक व्यक्ति के कारण मिली है।

रमेश ने कहा कि देश की अंतरिक्ष यात्रा की शुरुआत 1960 के दशक में हो गई थी और फरवरी 1962 में ही अंतरिक्ष अनुसंधान के लिए राष्ट्रीय समिति का गठन किया गया था, जिसके सदस्यों में होमी जहांगीर भाभा और विक्रम साराभाई जैसे महान वैज्ञानिक शामिल थे। उन्होंने कहा कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की स्थापना 15 अगस्त 1969 में ही हुई थी और साराभाई के असामयिक निधन के बाद इसकी जिम्मेदारी सतीश धवन को दी गई थी, जो उस समय अमेरिका में काम कर रहे थे और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के अनुरोध पर भारत वापस आए थे। उन्होंने देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम का विस्तार से जिक्र किया और कहा कि भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम ''बाहुबल वाले राष्ट्रवाद का प्रतीक'' नहीं है, बल्कि इसका मकसद विकास को बढ़ावा देना रहा है। यह सैन्य क्षेत्र का हिस्सा नहीं होकर असैनिक उद्देश्यों के लिए रहा है तथा इसका उपयोग दूर संवेदन (रिमोट सेंसिंग), ग्रामीण विकास, संचार, मौसम भविष्यवाणी जैसे क्षेत्रों के लिए होता रहा है।

सिक्किम को बचाने के लिए अगला विधानसभा चुनाव आखिरी अवसर : चामलिंग

गंगटोक/भाषा। सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग ने कहा कि राज्य को सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) के ''कुशासन'' से बचाने के लिए अगला विधानसभा चुनाव आखिरी अवसर होगा। चामलिंग ने सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) के कार्यकर्ताओं से एकजुट रहने और हर विधानसभा क्षेत्र में लोगों से संपर्क बनाने का आह्वान किया। चामलिंग ने यहां एक कार्यक्रम में कहा, ''हमें निश्चित रूप से सुनिश्चित करना होगा कि एसडीएफ की जीत हो ताकि हमारे राज्य को बचाया जा सके।''

सिक्किम में विस चुनाव 2023 के आखिर में या इस साल की शुरुआत में प्रस्तावित हैं। उन्होंने कहा, ''विस चुनाव संभवत: प्रेम सिंह तमांग के नेतृत्व वाली सरकार के कुशासन से सिक्किम को बचाने का आखिरी मौका होगा... सत्तारूढ़ एसकेएम को हटाने को सामूहिक प्रयास की आवश्यकता होगी।''

नारीशक्ति वंदन विधेयक विपक्ष के गठबंधन पर सरकार का 'पैनिक रिएक्शन' : जदयू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जनता दल (यूनाइटेड) ने 'नारीशक्ति वंदन विधेयक' को 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए सरकार का 'जुमला' करार देते हुए बुधवार को लोकसभा में कहा कि यह विधेयक कुछ और नहीं, बल्कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' पर 'पैनिक रिएक्शन' (घबराकर उठाया गया कदम) है।

जदयू के सदस्य राजीव रंजन सिंह ने महिलाओं के लिए 33% सीट आरक्षित करने के प्रावधान वाले 'संविधान (एक सौ अट्ठाईसवां संशोधन) विधेयक, 2023' पर निचले सदन में जारी चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा, ''हमारी पार्टी विधेयक का समर्थन करती है, क्योंकि हम महिला सशक्तीकरण में विश्वास रखते हैं। लेकिन यह सरकार का 2024 का चुनावी जुमला है।'' सिंह ने आरोप लगाया कि सरकार ने 2014 में लाखों बेरोजगारों को रोजगार देने का वादा करके छला, 15 लाख रुपये प्रत्येक व्यक्ति के खाते में डालने का वायदा करके गरीबों को छला। उन्होंने कहा, ''यह विधेयक कुछ और नहीं, बल्कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' का 'पैनिक रिएक्शन' है।'' जातिगत जनगणना नहीं कराना इस सरकार की मंशा का स्पष्ट संकेतक है। सिंह ने मोहन भागवत के बयानों का हवाला देते हुए कहा कि आरक्षण को लेकर संघ का नजरिया कुछ और है और ऐसे में महिला आरक्षण भी 2024 के चुनाव में मोदी सरकार को बचाने की कवायद मात्र है।

जब मैं सांसद था, तभी से महिलाओं के आरक्षण के लिए मुखर रहा हूं : नीतीश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को कहा कि वह संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के आरक्षण के समर्थन में हैं, पर इसमें अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी), अन्य पिछड़ी जाति (ओबीसी) और आर्थिक रूप से पिछड़ी जाति (ईबीसी) के लिए पर्याप्त प्रतिनिधित्व के प्रावधान होने चाहिए। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत के दौरान केंद्र से जनगणना कराकर महिला आरक्षण विधेयक के प्रस्तावों को लागू करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ने और जाति जनगणना की उनकी लंबे समय से जारी मांग पर विचार करने का आग्रह किया।

नीतीश ने कहा, ''मैं महिला आरक्षण के समर्थन में रहा हूं। उन्हें प्रतिनिधित्व का आश्वासन क्यों नहीं दिया जाना चाहिए? जब मैं संसद का सदस्य था तब मेरे भाषण इसको लेकर मेरे रुख की गवाही देंगे।'' उन्होंने कहा, ''जहां भी संभव हो सका, हमने महिलाओं का पर्याप्त प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया है। पंचायतों, शहरी स्थानीय निकायों, पुलिस बल सहित सरकारी नौकरियों में, बिहार में महिलाओं का प्रतिनिधित्व देश के किसी भी राज्य के मुकाबले सबसे अधिक है।'' नीतीश ने कहा कि यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि एससी, एसटी, ओबीसी और ईबीसी की महिलाओं को पर्याप्त प्रतिनिधित्व मिले, इसका प्रावधान हो। उन्होंने कहा, ''हालांकि, यह अफसोसजनक है कि अगर विधेयक पारित भी हो गया, तो वास्तविक कार्यान्वयन जनगणना और उसके बाद परिसीमन तक लटका रहेगा।''

नीतीश ने कहा, ''मैं केंद्र सरकार से अनुरोध करूंगा कि वह जनगणना कराकर इस दिशा में तेजी से आगे बढ़े और जाति जनगणना की हमारी लंबे समय से चली आ रही मांग पर विचार करे।'' उन्होंने कहा कि जाति जनगणना अपरिहार्य हो गई है क्योंकि आखिरी बार यह 1931 में हुई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके नेतृत्व वाली सरकार ने राज्य में इसी तर्ज पर एक सर्वेक्षण का आदेश दिया, जो अब अपने अंतिम चरण में है।

महिला आरक्षण विधेयक में एससी, एसटी के साथ ओबीसी के लिए कोटा हो : पासवान

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी की सहयोगी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता चिराग पासवान ने बुधवार को लोकसभा में महिला आरक्षण से संबंधित विधेयक का समर्थन किया और सरकार से यह आग्रह भी किया कि इस विधेयक में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्गों (ओबीसी) की महिलाओं के लिए कोटे का प्रावधान किया जाए।

लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33% सीट आरक्षित करने के प्रावधान वाले 'संविधान (एक सौ अट्ठाईसवां संशोधन) विधेयक, 2023' पर निचले सदन में जारी चर्चा में भाग लेते हुए पासवान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर पूरा विश्वास है कि ओबीसी वर्ग की महिलाओं को अधिकार मिलेगा। उन्होंने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा, '' राजनीतिक दलों ने इस कानून को बेहतर बनाने की आड़ में विधेयक को लटकाया। यही कारण है कि 27 वर्षों से यह कानून धरातल पर नहीं उतर पाया।'' बिहार के जमुई से लोकसभा सदस्य ने कहा, ''हम चाहते हैं कि एससी, एसटी और ओबीसी का इसमें प्रतिनिधित्व होना चाहिए। प्रधानमंत्री पर मेरा विश्वास है कि यह होगा।'' उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि विधेयक में यह प्रावधान जोड़ा जाए कि एससी, एसटी और ओबीसी महिलाओं के लिए आरक्षण हो।

मणिपुरी अभिनेत्री ने खुद पर लगाए गए प्रतिबंध का किया विरोध, कहा-मुझे बोलने का पूरा हक

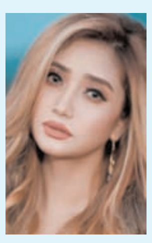

इंफाल/भाषा। मणिपुरी अभिनेत्री सोमा लैशराम ने सौंदर्य प्रतियोगिता में भाग लेने पर हाल ही में एक नागरिक संगठन द्वारा फिल्मों में अभिनय और सार्वजनिक कार्यक्रमों में भाग लेने पर लगाए गए प्रतिबंध का कड़ा विरोध किया और कहा कि उन्होंने अपने राज्य के खिलाफ कुछ गलत नहीं किया है। मणिपुर में हिंसा जारी रहने के बीच दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने के कारण नागरिक संगठन कांगलीपाक कानबा लुप (केकेएल) ने अभिनेत्री पर यह प्रतिबंध लगाया है।

लैशराम ने सोशल मीडिया पर साझा किए वीडियो में कहा कि वह इस घटना से सदमे में हैं और उन्हें काफी दुख पहुंचा है। सौ से अधिक मणिपुरी फिल्मों में अभिनय कर चुकीं लैशराम ने कहा, ''एक कलाकार और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर (अपने विचारों से लोगों प्रेरित करने वाले) के तौर पर मैं इसका (निर्देश का) कड़ा विरोध करती हूं। मैं जब भी चाहूं और जहां भी जरूरत महसूस करूं वहां मुझे बोलने का पूरा अधिकार है...। मैंने अपनी मातृभूमि के खिलाफ कुछ गलत नहीं किया।'' अभिनेत्री (31) ने कहा, ''जब मुझे पूर्वोत्तर उत्सव में बतौर 'शो स्टॉपर' मणिपुर का प्रतिनिधित्व करने के लिए बुलाया गया तो मैं वहां मौजूद हजारों लोगों के बीच सिर्फ अपने राज्य का समर्थन करने और जागरुकता फैलाने (हिंसा के पीछे की वजह बताने) के इरादे से गई थी।''

उद्घाटन — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बुधवार को रांची के नामकुम में राष्ट्रीय रेशम दिवस समारोह और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के 100 साल के प्लेटिनम जयंती समारोह का उद्घाटन करते हुए झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन।

मेरे खाते में केवल 900 यूरो बचे हैं, अच्छी जिंदगी नहीं जी पा रहा हूं : सुमित नागल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। एटीपी टूर में खेलने के लिए एक करोड़ रुपए के बजट की व्यवस्था करने के बाद भारत के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल के बैंक खाते में अब एक लाख रुपए से भी कम की धनराशि बची है और अच्छी जिंदगी नहीं जी पाने के कारण वह उदास हैं।

वह पिछले कुछ वर्षों से जर्मनी की नानसेल टेनिस अकादमी में अभ्यास कर रहे थे लेकिन पैसों की कमी के कारण वह 2023 के सत्र के शुरुआती तीन महीनों में अपने पसंदीदा स्थान पर अभ्यास नहीं कर पाए। उनके मित्र सोमदेव देववर्मन और क्रिस्टोफर मार्कुइस ने जनवरी और फरवरी में उनकी मदद की थी।

वित्तीय समस्याओं से जूझना शायद प्रत्येक भारतीय टेनिस खिलाड़ी की कहानी है लेकिन सच्चाई यह है कि देश का नंबर एक एकल खिलाड़ी अपने और अपने परिवार के लिए पर्याप्त धनराशि नहीं जुटा पा रहा है जिससे अप्रभावी प्रणाली और एटीपी टूर से जुड़े संघर्ष का पता चलता है जहां खिलाड़ी को अपनी लड़ाई खुद लड़नी पड़ती है। एटीपी टूर में खेलने के लिए नागल ने अपनी सारी पुरस्कार राशि, आईओसीएल से मिलने वाला अपना वेतन और महा टेनिस फाउंडेशन से मिलने वाली सहायता राशि को खर्च किया है। उनका यह खर्च पाइन में अभ्यास केंद्र में रुकने तथा अपने कोच या फिजियो के साथ टूर्नामेंट के लिए यात्राओं पर होता है। नागल ने कहा,'' अगर मैं अपने बैंक में जमा धनराशि की बात करूं तो मेरे पास इतनी ही राशि है जितनी की वर्ष के शुरुआत में थी। यह 900 यूरो (लगभग 80000 रुपए) है। मुझे थोड़ी मदद भी मिली। महा टेनिस फाउंडेशन के प्रशांत सुतार मेरी मदद कर रहे हैं तथा मुझे आईओसीएल से मासिक (वेतन) भी मिलता है लेकिन मेरे पास कोई बड़ा प्रायोजक नहीं है।'' नागल ने इस साल 24 टूर्नामेंटों में हिस्सा लिया जिनसे उन्होंने लगभग 65 लाख रुपए की कमाई की। उन्हें सबसे बड़ी पुरस्कार राशि अमेरिकी ओपन से मिली जहां वह क्वालीफायर के पहले दौर में हार गए थे लेकिन इसके बावजूद उन्हें 22000 अमेरिकी डॉलर (लगभग 18 लाख रुपए) मिले। उन्होंने कहा,'' मैं जो भी कमाई कर रहा हूं उसे खर्च कर दे रहा हूं। मेरा वार्षिक खर्च लगभग 80 लाख से लेकर एक करोड़ रुपए तक है और यह भी तब है जबकि मैं केवल एक कोच के साथ यात्रा करता हूं। मैंने जो भी कमाया उसे खर्च भी कर दिया।''

हरमनप्रीत सिंह और लवलीना एशियाई खेलों के उद्घाटन समारोह में होंगे ध्वजवाहक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय हॉकी कप्तान हरमनप्रीत सिंह और ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन 23 सितंबर को हांगझोउ में एशियाई खेलों के उद्घाटन समारोह के दौरान भारतीय दल के ध्वजवाहक होंगे। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने बुधवार को इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिए संयुक्त ध्वजवाहक बनाने का फैसला किया। एशियाई खेलों में इस दफा कुल 655 भारतीय खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं जो देश का अब तक का सबसे बड़ा दल है। भारतीय दल के दल प्रमुख भूपेंदर सिंह बाजवा ने कहा, ''हमने आज काफी सोच विचार के बाद यह फैसला किया। ''भारतीय वुशु संघ के प्रमुख बाजवा ने कहा, ''इस बार एशियाई खेलों के लिए हमारे दो ध्वजवाहक होंगे-हॉकी कप्तान हरमनप्रीत सिंह और मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन।''

सुविचार

कामयाब होने के लिए अकेले ही आगे बढ़ना पड़ता है ! लोग तो पीछे तब आते हैं जब आप कामयाब होने लगते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अफ्रीका बदहाल, चीन मालामाल

अफ्रीका में चीनी कंपनियों के 'कारनामों' के बाद वहां जिस तरह आक्रोश बढ़ता जा रहा है, वह स्वाभाविक है। यह विडंबना ही है कि ये देश खनिज संपदा से संपन्न होने के बावजूद आर्थिक बदहाली से जूझ रहे हैं। मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रही जनता के कदमों तले अरबों डॉलर के खनिज भंडार हैं, लेकिन वे उनके काम नहीं आ रहे हैं। यहां अशिक्षा, महंगाई, बेरोजगारी, ड्रग्स के जंजाल, अपराध और सरकारी मशीनरी की नाकामी का जिसने जमकर फायदा उठाया, वह है– चीन। उसकी कई कंपनियां अफ्रीका में खूब चांदी कूट रही हैं। ये कंपनियां दिन–रात खनन के बाद अपनी जेबें तो भर रही हैं, लेकिन स्थानीय लोगों के हिस्से में कुछ खास नहीं आ रहा है। बहुत हुआ तो कुछ लोगों को नौकरी दे दी, लेकिन बड़े पदों पर चीनी ही बैठे हैं। सोशल मीडिया के जमाने में चीन के लिए असलियत दबाकर रखना आसान नहीं है, इसलिए देर–सबेर स्थानीय लोगों का आक्रोश और भड़केगा। हाल में इन देशों में जिस तरह चीनियों के खिलाफ माहौल बना है, वह किसी एक दिन का नतीजा नहीं है। कहीं चीनी लोगों पर हमले हो रहे हैं, तो कहीं स्थानीय लोग चीनी कंपनियों को मिले खनन के ठेकों को अदालतों में चुनौती दे रहे हैं। चीन जानता है कि जिस तरह लोगों के मन में आक्रोश उबाल मार रहा है, उससे भविष्य में हालात बिगड़ सकते हैं। इसलिए लोकदिखावे के लिए ऐसी योजनाएं चला रहा है, जिससे बता सके कि वह सिर्फ व्यापार करना नहीं, बल्कि उनकी 'फिक्र' करना भी जानता है। इन योजनाओं का लाभ कितने लोगों को मिला, इसका कोई स्पष्ट रिकॉर्ड नहीं है, लेकिन चीनी मीडिया अपनी सरकार के खूब गुणगान कर रहा है।

घाना में चीनी कंपनियां पर्यावरण की सुरक्षा संबंधी नियमों को दरकिनार कर जिस तरह सोने की खदानों में खनन कर रही हैं, उससे विशेषज्ञ चिंतित हैं। वहीं, अंगोला के कुछ इलाकों में इतने चीनी रहने लगे हैं कि स्थानीय लोगों को अपनी पहचान खत्म होने का डर सता रहा है। वहां रेलवे स्टेशन से लेकर आम बाजारों तक में चीनी काम कर रहे हैं। प्राय: स्थानीय लोगों के साथ उनका बर्ताव गरिमापूर्ण नहीं होता। ऐसे में अन्य देश भी इस बात को लेकर चिंतित हैं कि कहीं वे अपने ही घर में 'पराए' तो नहीं हो जाएंगे! चूंकि जिस तरह चीन अपनी विशाल आबादी को अफ्रीका में कॉलोनियां बनाकर बसा रहा है, उससे स्थानीय संस्कृति, भाषा, रोजगार और संसाधनों पर असर पड़ रहा है। प्राय: चीनी नागरिकों के बारे में अफ्रीका में यह कहा जाता है कि ये यहां 'मित्र' बनकर नहीं, बल्कि 'मालिक' बनकर आते हैं। उनकी नजर प्राकृतिक संसाधनों पर होती है, जिनका बेतहाशा दोहन करते हैं। चीन का एक और बड़ा हथियार 'ब्याज' है। वह इन देशों में सरकारी मशीनरी की अकुशलता का फायदा उठाते हुए खूब कर्ज देता है, जिसकी ब्याज दर काफी ऊंची होती है। इन समझौतों की शर्तें सार्वजनिक नहीं की जातीं। इसके बदले ब्याज पर ब्याज वसूला जाता है। स्थानीय लोगों को आशंका है कि चीन इस हथकंडे के जरिए कई इलाकों पर अपने मालिकाना हक का दावा कर सकता है। चीनियों के साथ एक और बड़ी समस्या यह है कि वे स्थानीय लोगों की आस्था और खानपान संबंधी आदतों पर अपनी शर्तें थोपते हैं। जहां चीनी बड़ी तादाद में रहते हैं, वहां एक अलग कॉलोनी बना लेते हैं। उधर किसी स्थानीय व्यक्ति के आने पर पाबंदी रहती है। इसके अलावा जिन सरकारों को चीन ने भारी–भरकम कर्ज दे रखा है, उनकी पुलिस चीनियों के सामने खुद को बेबस महसूस करती है। ऐसे कई वीडियो वायरल हो चुके हैं, जिनमें चीनी लोग स्थानीय पुलिसकर्मियों से बदसलूकी करते नजर आए। वहीं, हाल में जी20 शिखर सम्मेलन में भारत ने जिस तरह ग्लोबल साउथ की आवाज उठाकर अफ्रीका को महत्त्व दिया, उससे नए समीकरण बन सकते हैं। अफ्रीकी लोगों को भारत में अपना सच्चा मित्र नजर आ रहा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर के एक साक्षात्कार की अफ्रीका में काफी चर्चा है, जिसमें उन्होंने कहा था कि पश्चिमी देश अफ्रीकी और एशियाई देशों के बाजारों में सस्ता माल नहीं भर रहे हैं। उनका इशारा चीन की ओर था, जिसकी कंपनियों ने 'सस्ता, सुंदर और घटिया' की तर्ज पर अपना माल अफ्रीका में खपाकर कई लोगों के रोजगार खत्म कर दिए।

ट्वीटर टॉक

परिवर्तन के इस आगाज के साथ थानागाजी अलवर में पहुंची परिवर्तन संकल्प यात्रा के तहत आयोजित स्वागत सभा में सम्बोधन के दौरान सैकड़ों की संख्या में जनमानस की उपस्थिति इस बात का साफ संकेत हैं कि राजस्थान में होगा परिवर्तन ये प्रदेशवासियों ने तय कर लिया है।

–राजेन्द्र राठौड़

गरीब व मध्यम वर्ग का बिजली बिल कम हो, इसके लिए 40 करोड़ से अधिक सस्ते डएऊबल्ब वितरित किए गए। पीएम मोदी की इस पहल से परिजनों के हर साल का बिजली बिल करीब छ20 हजार करोड़ कम हुआ।

–अर्जुनराम मेघवाल

माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के अथक प्रयासों से संसद में पेश किया गया ऐतिहासिक ' नारी शक्ति वंदन विधेयक '। आइए जानते हैं इस विधेयक में क्या है खास और इसके पारित होने के बाद क्या – क्या परिवर्तन होंगे।

–दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

स्वराज ही मेरी जन्नत

देश के स्वतंत्रता आंदोलन में शहीद होने वाले पहली पंक्ति के नेता पंडित राम प्रसाद बिस्मिल और अशफाक उल्ला खां गहरे दोस्त थे। दोनों पक्के देशभक्त थे। वे हिंदू–मुस्लिम दोस्त पहले शहीद थे जिन्होंने अपनी शहादत देकर हिंदू मुस्लिम भेदभाव को समाप्त करने का प्रयास किया। जब पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया तो अशफाक उल्ला खां पर मुसलमानों ने बहुत दबाव डाला कि वह माफी मांग कर बरी हो जाएं। उनके चाचा हबीबुल्लाह बड़े पुलिस अधिकारी थे। उनके सहित सभी लोगों ने उन्हें समझाया कि पंडित राम प्रसाद बिस्मिल कट्टर हिंदू हैं। यदि हिंदुस्तान आजाद भी हो गया तो इस पर हिंदुओं का राज होगा। मुसलमानों को कुछ नहीं मिलेगा तो तुम क्यों व्यर्थ में अपना बलिदान देते हो। तब देशभक्त शहीद अशफाक उल्ला खां ने कहा कि मुझे इस बात से कोई मतलब नहीं कि कौन हिंदू है और कौन मुसलमान, मुझे तो यह पता है कि हम दोनों की मां भारत माता है। जिसकी रक्षा करना हम सब का धर्म है । चाहे राज किसी का भी आए वह होगा तो स्वराज ही। इसलिए स्वराज ही मेरी जन्नत है। यही मेरा स्वर्ग है।

सामयिक

नारी का राजनीतिक जीवन भी अमृतमय बने

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

औरतों ने बार-बार खुद को साबित किया है। फिर भी पुरुष प्रधान मानसिकता में माना गया कि महिलाओं में न इतनी अक्ल होती है, न इतना अनुभव होता है और न ही उन्हें प्रकृति ने इस काबिल बनाया है कि वे राजनीतिक कार्यों से जुड़ी कठिनाइयां झेल सकें। एक कहावत है कि औरत जन्मती नहीं, बना दी जाती है और कई कट्टर मान्यता वाले औरत को मर्द की खेती समझते हैं।

भारतीय संसद के नए भवन के पहले सत्र का श्रीगणेश अनेक दृष्टियों से ऐतिहासिक, यादगार एवं अविस्मरणीय रहा। मंगलवार के शुभदिन अनेक नये अध्याय एवं अमिट आलेख रचे गये, जिनमें सरकार और विपक्ष के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध की दुर्लभ तस्वीर सामने आयी, वहीं 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023' के रूप में नारी शक्ति के अभ्युदय का नया इतिहास रचा गया। यह सुनकर एवं देखकर अच्छा लगा कि सभी नेताओं ने पार्टी लाइनों से ऊपर उठकर बाबा साहेब अंबडेकर, पंडित जवाहरलाल नेहरू, बाबू राजेंद्र प्रसाद, अटलविहारी वाजपेयी जैसे सभी महान नेताओं को याद किया, जिन्होंने नया एवं सशक्त भारत बनाने में योगदान दिया।

हर राजनीतिक दल महिला उत्थान, उन्नयन एवं विधायी संस्थानों में संतुलित महिला प्रतिनिधित्व के लंबे–चौड़े दावे करते रहे हैं और वादे भी, लेकिन जब समय आता है तो महिलाओं को उनका हक देने में अनेक किन्तु–परन्तु एवं कौताही होती रही है। पिछले लोकसभा चुनाव में कुल 82 महिला सांसद चुनकर आई थी। जिस देश में आधी आबादी महिलाओं की हो, वहां सिर्फ 15 फीसदी महिलाएं ही लोकसभा पहुंचे तो आश्चर्य ही नहीं, बल्कि विडम्बनापूर्ण ही है। आश्चर्य की बात यह कि 2019 से पहले हुए चुनावों में जीतने वाली महिला सांसदों की संख्या 82 से भी कम रहती आई है। विधानसभाओं के हाल भी कमोबेश लोकसभा जैसे ही हैं। ऐसे हालात में भाजपा एवं मोदी सरकार ने साहस का परिचय देते हुए महिला आरक्षण विधेयक को पेश कर सराहनीय उपक्रम किया है, इससे लोकतंत्र मजबूत होगा। इससे शासन चलाने में महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी तो उनके खिलाफ होने वाले अत्याचार के मामले भी कम होंगे। सवाल सिर्फ सांसद–विधायक का ही नहीं है, प्रयास होने चाहिए कि मंत्री पद पर भी महिलाओं की भागीदारी बढ़े।

महिला आरक्षण को लेकर कई बहसें और विवाद होते रहे हैं। संसद में कई प्रयास किये गये। 1996 में इससे जुड़ा पहला बिल पेश किया गया था। अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में कई बार महिला आरक्षण विधेयक लाया गया लेकिन इसके लिए संख्या नहीं जुटाई जा सकी और सपना अधूरा रह गया। महिलाओं के अधिकार सुनिश्चित करने, उनकी शक्ति का उपयोग करने और ऐसे अनेक महान कार्यों के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो पहल की है, इसके लिये वे अभिनन्दनीय है। भले ही विधेयक पारित होने के बावजूद इसका लाभ लेने के लिए महिलाओं को अभी और इंतजार करना पड़ेगा। यानी 1996 में पहली बार पेश आरक्षण विधेयक के व्यावहारिक रूप में लागू होने में अभी तीन चार साल और लगने के आसार हैं। लेकिन, यहां एक सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर महिला आरक्षण विधेयक संसद में लाने की जरूरत क्यों पड़ी? क्या बिना आरक्षण के राजनीतिक दल महिलाओं को लोकसभा और विधानसभा चुनाव में पर्याप्त टिकट नहीं दे सकते? मुद्दे की जड़ यह है कि राजनीतिक दल चाहे वह भाजपा हो या कांग्रेस या कोई अन्य दल, लोकसभा और विधानसभा चुनावों में अधिक संख्या में महिला उम्मीदवारों को टिकट देने की शुरुआत आने वाले चुनावों में ही करें, इसके लिए उन्हें किसी कानून की जरूरत नहीं होनी चाहिए। राजनीतिक दल आधी आबादी' को उनका पूरा हक दें, ताकि सामाजिक समरसता का ताना–बाना और मजबूत हो सके।

महिलाओं के युग बनते बिगड़ते रहे हैं। कभी उनको विकास की खुली दिशाओं में पूरे वेग के साथ बढ़ने के अवसर मिले हैं तो कभी उनके एक–एक कदम को संदेह के नागों ने रोका है। कभी उन्हें पूरी सामाजिक प्रतिष्ठा मिली है तो कभी वे समाज के हाशिये पर खड़ी होकर स्त्री होने की विवशता को भोगती रही है। कभी वे परिवार के केंद्र में रहकर समग्र परिवार का संचालन करती हैं तो कभी अपने ही परिवार में उपेक्षित और प्रताड़ित होकर निष्क्रिय बन जाती है। राजनीतिक मंचों पर तो महिलाओं के साथ भेदभाव समाप्त होने का नाम ही नहीं ले रहा था। इन विसंगतियों में संगति बिठाने के लिए महिला आरक्षण विधेयक एक सार्थक प्रयास है, अब महिलाओं को एक निश्चित लक्ष्य की दिशा में प्रस्थान करना होगा। राजनीतिक सत्ता एक जरिया बना रहा है, जिसके बल पर सत्ता भी मर्दों के हाथ में केंद्रित करके महिलाओं पर दबदबा कायम रखा जाता रहा है। एक पूर्वाग्रह भी रहा है कि महिलाओं के हाथों में राजनीति सौंप दी गई, तो पुरुषों की सत्ता पलट जाएगी। अभी तक जो महिलाएं संसद पहुंचती रही हैं, उनमें से ज्यादातर अभिजात वर्ग से आती हैं, पर महिला आरक्षण लागू होने से अब दबी–कुचली महिलाएं ज्यादा बड़ी संख्या में ऊपर आएंगी।

महिलाओं को उचित एवं सम्मानजनक स्थान देने में आरक्षण एकमात्र इलाज नहीं हैं। पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे पड़ोसी मुल्कों में वर्षों से विधायी संस्थाओं में स्त्रियों की सीटें आरक्षित रही हैं, पर वहां उनके हालात कैसे हैं, यह बताने की जरूरत नहीं। खुद हमारे देश में ही पंचायती राज संस्थाओं में कई सूबों में 50 प्रतिशत तक महिला आरक्षण लागू है। मगर मुखिया–पति और पार्षद–पति भी हमारे ही समाज की हकीकत है। इसलिए चुनौती राजनीतिक दलों के आगे है कि वे जमीनी स्तर पर महिला नेतृत्व गढ़ने की कोशिश करें। नारी शक्ति वंदन विधेयक ने तमाम राजनीतिक पार्टियों को एक अवसर दिया है कि वे महिलाओं की राजनीतिक आकांक्षाओं के प्रति संवेदनशील रूख अपनाएं। इस कानून का सियासी लाभ अब चाहे कोई उठाए, क्योंकि पिछड़े वर्गों में इसे लेकर जैसी प्रतिक्रिया देखने को मिली है, वह आने वाले दिनों में देश की चुनावी राजनीति में व्यापक बदलाव करेंगी। मगर फिलहाल आजादी के इस अमृतकाल में भारतीय महिलाओं के लिए संभावनाओं के शीर्ष पर सदन का जो बड़ा पट खुला है, उसका स्वागत करते हुए महिलाओं को नये भारत–सशक्त भारत के निर्माण में सहभागी बनाना चाहिए। एक बड़ी आशंका है कि इस विधेयक के लागू हो जाने के बाद भी महिलाओं के लिये संसद एवं विधानसभाओं के दरवाजे जरूर खुल जायेंगे, आरक्षण से माताएं, बेटियां और बहुएं चुनाव लड़कर सदनों में आएंगी लेकिन उनका सारा कामकाज एवं राजनीतिक दावपेंच पुरुष ही करेंगे। इसलिए शासन पुरुषों का रहेगा। पंचायत चुनाव में हम ऐसा होते हुए देख रहे हैं। इस बड़ी विसंगति एवं विडम्बना को दूर किये बिना महिला आरक्षण का वास्तविक लक्ष्य हासिल नहीं हो पायेगा। औरतों ने बार–बार खुद को साबित किया है। फिर भी पुरुष प्रधान मानसिकता में माना गया कि महिलाओं में न इतनी अक्ल होती है, न इतना अनुभव होता है और न ही उन्हें प्रकृति ने इस काबिल बनाया है कि वे राजनीतिक कार्यों से जुड़ी कठिनाइयां झेल सकें। एक कहावत है कि औरत जन्मती नहीं, बना दी जाती है और कई कटट्टर मान्यता वाले औरत को मर्द की खेती समझते हैं। कानून एवं राजनीति का संरक्षण नहीं मिलने से औरत संघर्ष के अंतिम छोर पर लड़ाई हारती रही है। इसीलिये आज की औरत को हाशिया नहीं, पूरा पृष्ठ चाहिए। पूरे पृष्ठ, जितने पुरुषों को प्राप्त हैं। प्राचीन काल में भारतीय नारी को विशिष्ट सम्मान दिया जाता था। सीता, सती–सावित्री आदि अगणित भारतीय नारियों ने अपना विशिष्ट स्थान सिद्ध किया है। इसके अलावा अंग्रेजी शासनकाल में भी रानी लक्ष्मीबाई, चाँद बीबी आदि नारियाँ जिन्होंने अपनी सभी परंपराओं आदि से ऊपर उठ कर इतिहास के पन्नों पर अपनी अमिट छाप छोड़ी। आधुनिक नारी इतनी सक्षम है कि वह भारतीय राजनीति की तस्वीर भी बदल सकती है और तकदीर भी, शासन करने की उसमें अद्भुत क्षमता है। वे अपनी राजनीतिक पारी से जनता की खुशहाली ला सकती है। वे लोकतांत्रिक मूल्यों एवं मर्यादाओं को नया जीवन दे सकती है। भारत को विकास की राह पर अग्रसर कर सकती है। फिर भी लगातार महिलाओं से जुड़े आरक्षण के मुद्दे को जटिल बनाया जाता रहा है, अब मोदी सरकार इन जटिलाओं के बावजूद महिलाओं को उनका वाजिब राजनीतिक हक देने के लिये तत्पर हुई है तो इस कानून बनाने और नारी शक्ति के वंदन के अमल में सरकार का ही नहीं, राजनीतिक पार्टियों की भी बड़ी जिम्मेदारी है कि वे इस इम्तिहान में सफल होकर दशकों में बनी अड़चनें दूर करें, तभी अमृत काल में नारी का राजनीतिक जीवन भी अमृतमय बन सकेगा, इसी से महिला आरक्षण विधेयक को वास्तविक एवं सार्थक अर्थ मिल सकेगा।

हेल्थ

बीपी : सवा अरब लोग हो रहे पीड़ित

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 9414441218

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने हाई ब्लड प्रेशर या उच्च रक्तचाप के दुनिया भर में विनाशकारी प्रभाव पर अपनी पहली रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट के अनुसार उच्च रक्तचाप से पीड़ित हर पांच में से लगभग चार लोगों का पर्याप्त इलाज नहीं किया जाता है, लेकिन अगर दुनिया भर के देश कवरेज बढ़ा दे, तो 2023 से 2050 के बीच 7.6 करोड़ मौतों को रोका जा सकता है। दुनियाभर में उच्च रक्तचाप के पीड़ित लोगों की संख्या 1990 से 2019 के बीच दोगुनी हो गई, जो 65 करोड़ से 1.3 अरब पहुंच गई है। भारत की बात करें तो हमारा देश आजकल बीमारियों के देश के रूप में अपनी पहचान बनाता जा रहा है। इनमें एक बीमारी बीपी या उच्च रक्तचाप की है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक ताज़ा रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में 19 करोड़ लोग हाई ब्लड प्रेशर के मरीज हैं। इनमें से 37 प्रतिशत मरीजों को अपनी बीमारी के बारे में पता है और 30 प्रतिशत हाईब्लड प्रेशर के लिए इलाज ले रहे हैं। भारत में केवल 15 प्रतिशत मरीजों का ब्लड प्रेशर कंट्रोल में है। यह बीमारी साइलेंट किलर के रूप में घर घर में देखने को मिल रही है। आज के आधुनिक परिवेश में ब्लड प्रेशर के मरीजों की तादाद दिन प्रति दिन बढ़ती जा रही है। दौड़- भाग भरी जिंदगी, फॉस्ट फूड और अनियमित दिनचर्या की वजह से आजकल बच्चे से बुजुर्ग तक हर उम्र के लोगों में बीपी की समस्या देखने को मिल रही है। और वैसे तो ब्लड प्रेशर की बीमारी मामूली सी लगती है लेकिन अगर इसपर काबू न पाया गया तो यह समस्या दिल की बीमारी, स्ट्रोक और किडनी की बीमारी का कारण भी बन सकती है। ब्लड प्रेशर कम हो या ज्यादा दोनों ही ख़तरनाक होते हैं।

इसलिए डॉक्टर द्वारा अक्सर यह सलाह दी जाती है की आप नियमित रूप से ब्लड प्रेशर की जांच करवाते रहें। देश में ज्यादा नमक ने दिल का और हाई ब्लडप्रेशर मरीज बना दिया है। 25 साल से ज्यादा उम्र के लोगों में भारत में नमक का औसत सेवन 10 ग्राम प्रतिदिन है। जबकि थकज के मुताबिक एक व्यक्ति को एक दिन में 5 ग्राम या उससे भी कम नमक खाना चाहिए। लेकिन भारतीय रोजाना डबल डोज में नमक खा रहे हैं, जिसमें पुरुष औसतन 11 ग्राम और महिलाएं 9 ग्राम नमक खा रही हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक ऐसे लोग जिनका ब्लड प्रेशर 140/90 से ज्यादा रहता है वो हाईब्लड प्रेशर के मरीज माने जाते हैं. विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुमान के मुताबिक अगर 50 प्रतिशत लोगों को कंट्रोल ब्लड प्रेशर वाले दायरे में लाया जा सका तो 2023 से 2050 के बीच होने वाली 76 मिलियन यानी साढे सात करोड़ लोगों की असमय मौतों को टाला जा सकेगा. दुनिया भर में 12 करोड़ लोगों को स्ट्रोक से बचाया जा सकेगा। 8 करोड़ हार्ट अटैक टाले जा सकेंगे। तकरीबन 1 करोड़ 70 लाख हार्ट फेल होने से बचाए जा सकेंगे। संगठन के अनुसार के ऐसे लोग जो लाइफस्टाइल वाली बीमारियों की वजह से समय से पहले मौत के शिकार हो सकते हैं उनकी कुल अनुमानित संख्या 22 प्रतिशत है. इनमें 25 प्रतिशत पुरुष और 19 प्रतिशतमहिलाएं होंगी। रिपोर्ट के मुताबिक 25 लाख 66 हजार लोग भारत में दिल की बीमारी के शिकार हो गए। जिनमें से 14 लाख 51 हज़ार पुरुष और 11 लाख 16 हज़ार महिलाए हैं।

बीपी के रोग से बचने के लिए जागरूकता के साथ समय पर उपचार जरुरी है। नमक कम खाएं, तंबाकू सहित सैचुरेटेड और ट्रांस फैट, शराब से बचें और नियमित रूप से फल और सब्जियां खाएं। इसके अलावा नियमित रूप से शारीरिक व्यायाम भी काफी फायदेमंद होगा।

विशेष

लोकसभा में 'मिच्छामि दुक्कड़म'

डॉ. दिलीप धींग
मोबाइल : 9952048107

गणेश चतुर्थी एवं जैन समाज के संवत्सरी पर्व पर 19 सितम्बर 2023 को नए संसद भवन में लोकसभा का प्रथम सत्र संपन्न हुआ। नए संसद भवन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने प्रथम संबोधन में कहा– 'गणेश जी शुभता और सिद्धी के देवता हैं। गणेश जी विवेक और ज्ञान के भी देवता हैं। इस पावन दिवस पर हमारा ये शुभारंभ संकल्प से सिद्धी की ओर एक नए विश्वास के साथ यात्रा को आरंभ करने का है।' प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि लोकमान्य तिलक ने स्वतंत्रता आंदोलन में गणेश चतुर्थी को स्वराज के साथ जोड़ा और इसे सार्वजनिक गणेशोत्सव के रूप में प्रस्थापित किया।

आगे प्रधानमंत्री ने कहा– 'आज संवत्सरी का भी पर्व है। यह अपने आप में एक अद्भुत परंपरा है। इस दिन को एक प्रकार से क्षमावाणी का भी पर्व कहते है। आज 'मिच्छामि दुक्कड़ं' कहने का दिन है। यह पर्व मन से, कर्म से, वचन से अगर जाने–अनजाने किसी को भी दु:ख पहुँचाया है तो उसकी क्षमायाचना का अवसर है। मेरी तरफ से भी पूरी विनम्रता के साथ, पूरे हृदय से आप सभी को, सभी संसद सदस्यों को और सभी देशवासियों को मिच्छामि दुक्कड़ं। आज जब हम एक नई शुरूआत कर रहे हैं, तब हमें अतीत की हर कड़वाहट को भुलाकर आगे बढ़ना है।' आगे प्रधानमंत्री ने कहा कि कर्तव्य भावना से किये हमारे श्रेष्ठ कार्य देश और देश के हर नागरिक के लिए प्रेरणादायक बनें। इस दिशा में हमें भरसक प्रयास भी करने चाहिये।

प्रधानमंत्री ने भारतीय पर्व और पर्वों की श्रेष्ठ परंपराओं का उल्लेख करते हुए प्राकृत भाषा के अर्थपूर्ण लघु वाक्य 'मिच्छा मि दुक्कडं' बोलकर क्षमायाचना करके सबको बड़ा सुंदर संदेश दिया है। इससे पूर्व भी प्रधानमंत्री ने मिच्छामि दुक्कड़ं बोलकर क्षमा और भारत की प्राचीन भाषा प्राकृत का मान बढ़ाया है। 13 फरवरी 2019, बुधवार को 16वीं लोकसभा के आखिरी भाषण में सदन के नेता के रूप में सदन के सभी सदस्यों की ओर से किसी भी प्रकार की गलती के लिए 'मिच्छा मि दुक्कडं' वाक्य का प्रयोग करके माफी मांगी थी।

लोकसभा में जब अनेक सदस्य इस वाक्य का अर्थ नहीं समझ पाए तो मोदी ने कहा था कि क्षमा प्रार्थना के लिए जैन धर्म के पर्यावरण पर्व में 'मिच्छा मि दुक्कडं' एक बहुत बड़ा सन्देश देने वाला शब्द है। उस भावना को मैं प्रकट करता हूँ। हालांकि उस समय मोदी जी अपने कथन में 'पर्युषण' शब्द की बजाय 'पर्यावरण' शब्द बोल गये थे, लेकिन इससे भाव और प्रभाव में कोई विशेष अंतर नहीं हुआ। वस्तुत: पर्युषण पर्व पर्यावरण–रक्षा का सन्देश देने वाला महान पर्व है। पर्युषण के दिनों में व्रतनिष्ठ जैनी हरी वनस्पति का उपयोग नहीं करते हैं, संयमित जीवन जीते और उपवास रखते हैं। पर्युषण के समापन पर सभी 'मिच्छामि दुक्कडं' बोलकर क्षमा का आदान–प्रदान करते हैं। प्राकृत भाषा का छोटा–सा वाक्य 'मिच्छा मि दुक्कडं' बहुत व्यापक अर्थ रखता है। इसका अर्थ होता है– मेरा दुष्कृत्य (पाप) मिथ्या हो, निष्फल हो। मुझसे हुई भूलों व गलतियों के लिए मैं क्षमाप्रार्थी हूँ। आत्मशुद्धि के अलावा सच्चे मन से बोले गये इस वाक्य से अनेक टूटे हुए सम्बन्ध जुड़ सकते हैं और जुड़े हुए सम्बन्ध सुदृढ़ हो सकते हैं। अपने गहरे अर्थों में यह वाक्य लोक, लोकतंत्र और समाज को नवशक्ति देता है।

प्रधानमंत्री द्वारा लोकसभा में मिच्छा मि दुक्कडं' बोलना प्राकृत जैसी प्राचीन शास्त्रीय और भारतीय भाषाओं का सम्मान है। भारतीय भाषाओं का सम्मान इसलिए कहा कि हिन्दी सहित सभी भारतीय भाषाओं के उद्भव और विकास में प्राकृत का उसी प्रकार बुनियादी योगदान है, जिस प्रकार संस्कृत का। उन्होंने यह वाक्य प्रयोग करके भारतीय संस्कृति के प्रति अनुराग दर्शाया है। इससे यह प्रेरणा मिलती है कि हमें हमारे वचन व्यवहार, सत्कार, खेद–ज्ञापन, अभिवादन आदि में हिन्दी और भारतीय भाषा के प्रयोग को वरीयता देनी चाहिये।

प्राकृत भाषा के जैन आगम ग्रंथ आवश्यक सूत्र' में मिच्छामि दुक्कडं' वाक्य का बारम्बार प्रयोग हुआ है। जैन धर्मावलम्बी प्रतिक्रमण की साधना में बार–बार इस वाक्य का उच्चारण करके अपने ज्ञात–अज्ञात दोषों का निवारण करते हैं, पापों का प्रायश्चित्त करते हैं। इस वाक्य की महत्ता और व्यापकता का अनुमान इससे लगाया जा सकता है कि प्रतिक्रमण में 1824120 (अठारह लाख चौबीस हजार एक सौ बीस) प्रकार से मिच्छामि दुक्कड़ं किया जाता है। प्रेरणादायी अर्थ के अलावा मिच्छामि दुक्कड़ं अपने भावार्थ, लक्षणार्थ और अभिव्यंजना में क्षमा के आदान–प्रदान का लोकप्रिय वाक्य है। जैन समाज में इसकी लोकप्रियता अंतरराष्ट्रीय है। क्षमायाचना के रूप में यह वाक्य जन–जन के मन और कंठ में बस चुका है।

उल्लेखनीय है कि 2014 में गुजरात विधानसभा से विदाई के वक्त भी मोदीजी ने 'मिच्छामि दुक्कडं' बोलकर क्षमायाचना की थी। हमें भी 'सॉरी' और 'एक्सक्यूज मी' की बजाय अधिक अर्थपूर्ण और भावपूर्ण वाक्य मिच्छामि दुक्कडं' का प्रयोग करना चाहिये। अभिवादन, अगवानी, विदाई आदि में भी हाय, हैलो, गुड मोर्निंग, इवनिंग, बाय जैसे शब्दों की बजाय जय जिनेन्द्र, वणक्कम, नमस्कार, पधारो जैसे भारतीय शब्दों के प्रयोग को प्राथमिकता देना अच्छा है। छोटे–छोटे शब्द–प्रयोग एवं छोटी–छोटी बातों में मनुष्य का विवेक बड़ा प्रभाव छोड़ सकता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

उद्घाटन

नई दिल्ली में बुधवार को17 एनसीसी निदेशालयों के एनसीसी कैडेट बुधवार को दिल्ली कैंट के करियप्पा परेड ग्राउंड में अखिल भारतीय थल सैनिक शिविर के उद्घाटन के अवसर पर।

अदालत ने अनिल कपूर के नाम, तस्वीर, आवाज का इस्तेमाल करने पर रोक लगाई

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने अभिनेता अनिल कपूर के मशहूर सूत्रवाक्य ''झकास'' समेत उनके नाम, तस्वीर, आवाज और व्यक्तित्व की अन्य विशेषताओं का व्यवसायिक लाभ के लिए दुरुपयोग करने पर बुधवार को रोक लगा दी। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह ने अभिनेता द्वारा कई वेबसाइट और मंचों के खिलाफ दायर एक मुकदमे पर सुनवाई के दौरान यह अंतरिम आदेश दिया। कपूर ने व्यवसायिक लाभ के लिए उनके व्यक्तित्व और सेलिब्रिटी अधिकारों के अनधिकृत शोषण का आरोप लगाते हुए यह मुकदमा दायर किया था।

कपूर की ओर से पेश वकील प्रवीण आनंद ने कहा कि कई वेबसाइट और मंच विभिन्न गतिविधियों के जरिये वादी के व्यक्तित्व के खूबियों का दुरुपयोग कर रहे हैं। उन्होंने प्रेरक वक्ता के रूप में अभिनेता की तस्वीर का इस्तेमाल करके सामान की अनधिकृत बिक्री और शुल्क वसूलने, उनकी तस्वीर के साथ अपमानजनक तरीके से छेड़छाड़ करने और जाली ऑटोग्राफ तथा ''झकास'' सूत्रवाक्य वाली तस्वीरें बेचने का उल्लेख किया। याचिका में कपूर के नाम, आवाज, तस्वीर, उनके बोलने के अंदाज और हावभाव के संबंध में उनके व्यक्तित्व संबंधी अधिकारों की रक्षा करने का अनुरोध किया गया था। न्यायमूर्ति सिंह ने कहा कि इसमें कोई शक नहीं है कि अभिव्यक्ति की आजादी सुरक्षित है, लेकिन जब यह ''सीमा पार करती है'' और किसी के व्यक्तित्व संबंधी अधिकारों को खतरे में डालती है, तो यह गैरकानूनी हो जाती है।

लाटरी टिकट

केरल के वित्त मंत्री के एन बालगोपाल ने बुधवार को तिरुवनंतपुरम में केरल राज्य लॉटरी विभाग की 12 करोड़ की केरल राज्य पूजा बम्पर लॉटरी टिकट जारी करते हुए।

ईरान के राष्ट्रपति ने अमेरिका से परमाणु समझौते में लौटने की इच्छाशक्ति दिखाने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संयुक्त राष्ट्र। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी ने मंगलवार को कहा कि उनका देश ''शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए परमाणु ऊर्जा हासिल करने'' का अपना अधिकार कभी नहीं छोड़ेगा। उन्होंने अमेरिका से मांग की कि वह 2015 के परमाणु समझौते में लौटने की दृढ़ इच्छाशक्ति दिखाए।

संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के वार्षिक उच्च स्तरीय सत्र को संबोधित करते हुए रईसी ने कहा कि समझौते से हटने के अमेरिका के फैसले ने उसकी प्रतिबद्धताओं को नुकसान पहुंचाया है और यह ईरान की अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने का ''अनुचित जवाब'' था। अमेरिका ने 2018 में समझौते से हटने का एकतरफा फैसला किया था और ईरान पर फिर से प्रतिबंध लगा दिए थे। ईरान परमाणु हथियार विकसित करने के आरोपों से लंबे समय से इनकर करता रहा है। वह बार-बार दोहराता रहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह से शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए है।

रईसी ने मंगलवार को उच्च स्तरीय सत्र में कहा कि देश के ''रक्षा और सैन्य सिद्धांत में परमाणु हथियारों का कोई स्थान नहीं है।'' बहरहाल, संयुक्त राष्ट्र के परमाणु प्रमुख राफेल ग्रॉसी ने सोमवार को एक साक्षात्कार में कहा था कि ईरान सरकार ने अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) द्वारा लगाए कई कैमरों और इलेक्ट्रॉनिक निगरानी प्रणालियों को हटा दिया है, जिससे देश के परमाणु कार्यक्रम के बारे में कोई भी विश्वसनीय जानकारी देना असंभव हो गया है। ग्रॉसी ने पहले चेतावनी दी थी कि अगर तेहरान ''परमाणु'' बम बनाना चाहता है, तो उसके पास पर्याप्त मात्रा में संवर्धित यूरेनियम है।

आईएईए के महानिदेशक ने सोमवार को यह भी कहा था कि उन्होंने बड़ी संख्या में एजेंसी के निरीक्षकों पर तेहरान द्वारा लगाए गए अनावश्यक प्रतिबंधों को खत्म करने की कोशिश के लिए रईसी से मुलाकात करने को कहा है। रईसी ने आईएईए के निरीक्षकों का कोई जिक्र नहीं किया, लेकिन यूरोपीय संघ (ईयू) ने मंगलवार देर रात एक बयान जारी कर कहा कि उसके शीर्ष राजनयिक जोसेफ बोरेल ने ईरान के विदेश मंत्री हुसैन अमीराब्दुल्लाहैन से मुलाकात की है और परमाणु समझौते तथा निरीक्षकों के साथ ही ईयू के कई नागरिकों को ईरान द्वारा मनमाने तरीके से हिरासत में लिए जाने का मुद्दा उठाया है।

अमेरिका, चीन के साथ संघर्ष नहीं चाहता, लेकिन 'आक्रामकता और धमकी' का जवाब देगा : बाइडन

संयुक्त राष्ट्र/भाषा

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने विश्व नेताओं से कहा कि उनका देश चीन के साथ संघर्ष नहीं चाहता लेकिन वह उसकी ''आक्रमकता और धमकी'' का जवाब देगा। उन्होंने कहा कि उनका प्रशासन चीन के साथ तनावपूर्ण संबंधों का 'जिम्मेदार तरीके से प्रबंधन' करना चाहता है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा को मंगलवार को संबोधित करते हुए बाइडन ने कहा कि उनका देश चीन के साथ उन मुद्दों पर काम करने को तैयार है जहां पर प्रगति के लिए हमारी 'साझा कोशिश' की जरूरत है, मैं स्पष्ट कर देना चाहता हूं और इस पर अडिग हूं।

संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्यीय महासभा में आम बहस के पहले दिन शासनाध्यक्षों को संबोधित करते हुए बाइडन ने कहा कि हम प्रतिस्पर्धा का जिम्मेदारीपूर्वक प्रबंधन चाहते हैं ताकि वह संघर्ष में तब्दील न हो।इस साल के शुरुआत में अमेरिका और चीन के बीच उस समय तनाव बढ़ गया था जब चीन के कथित जासूसी गुब्बारे अमेरिकी हवाई क्षेत्र में देखे गए। यूक्रेन युद्ध में चीन का रूस को समर्थन, व्यापार विवाद और मानवाधिकार अन्य मुद्दे हैं जिनपर दोनों की अलग-अलग राय है। बाइडन ने कहा, '' मैने कहा कि हम खतरे को कम कर रहे हैं न कि चीन के साथ दूरी बना रहे।'' उन्होंने कहा, '' हम आक्रमकता और धमकी का मुकाबला करेंगे, नियम आधारित व्यवस्था की रक्षा करेंगे जिसमें नौवहन की आजादी से लेकर आर्थिक मामलों में बराबरी के आधार पर मुकाबला शामिल है जो दशकों के लिए सुरक्षा और समृद्धि को कायम रखने में मदद करेंगे।''

बाइडन ने कहा कि उनका प्रशासन हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव और उसकी सैन्य ताकत का मुकाबला करने का आह्वान करता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति की टिप्पणी ऐसे समय आई है जब उनके प्रशासन ने चीन के साथ संपर्क बढ़ाया है। यह तब किया जा रहा है जब बाइडन और उनके चीनी समकक्ष शी चिनफिंग के बीच गत एक साल से सीधा संवाद नहीं हुआ है। हालांकि, बाइडन प्रशासन ने संघर्ष से बचने के लिए संवाद के नियमित माध्यम को खोलने की पहल की है। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने हाल में चीन के विदेशमंत्री वांग यी से मुलाकात की है। वित्तमंत्री जैनेट येलन और वाणिज्यमंत्री जीना रायमोंडो ने हाल में चीन का दौरा किया है और वहां के सरकारी अधिकारियों और कारोबारियों से मुलाकात की है।

इस बीच, चीन के उप राष्ट्रपति हान झेंग ने संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक से इतर अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से न्यूयॉर्क में सोमवार को मुलाकात की।

फिल्म निर्माता आशुतोष गोवारिकर वेब श्रृंखला 'काला पानी' से अभिनय में पदार्पण करेंगे

मुंबई/भाषा। फिल्म निर्माता आशुतोष गोवारिकर वेब श्रृंखला 'काला पानी' से अभिनय में पदार्पण कर रहे हैं। यह श्रृंखला 18 अक्टूबर को नेटफ्लिक्स पर प्रदर्शित होगी। वीडियो स्ट्रीमिंग सेवा ने बुधवार को इसकी घोषणा की। एक प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में फिल्मांकित इस श्रृंखला को 'अस्तित्व की लड़ाई के बारे में एक जमीनी कहानी के रूप में वर्णित किया गया है और दर्शकों से सवाल किया गया है कि वे जीवित रहने के लिए कितनी दूर तक जाएंगे''।

फिल्म निर्माण कंपनी 'पोशम पा पिक्चर्स' के बैनर तले बन रहे इस श्रृंखला में गोवारिकर के अलावा मोना सिंह, अमेय वाघ, सुकांत गोयल, आरुषि शर्मा, राधिका मेहरोत्रा, विकास कुमार, चिन्मय मंडलेकर और पूर्णिमा इंद्रजीत भी भूमिका निभा रहे हैं।

समीर सक्सेना और अमित गोलानी द्वारा निर्देशित इस श्रृंखला की पटकथा बिस्वपति सरकार, गोलानी, संदीप साकेत और निमिषा मिश्रा ने लिखा है। गोवारिकर ने कहा कि वह 'ओवर द टॉप' (ओटीटी) परियोजना का हिस्सा बनने को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, '''काला पानी' की अपनी एक दुनिया है और मैं इस तरह के एक दिलचस्प नेटफ्लिक्स प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने को लेकर वास्तव में उत्साहित हूं।

स्नान

सूरत में बुधवार को 'ऋषि पंचमी' के अवसर पर तापी नदी के संगम पर पवित्र स्नान करने के बाद अनुष्ठान करते श्रद्धालु।

गुरुद्वारे में परिणीति-राघव ने लिया आशीर्वाद

नई दिल्ली/एजेन्सी

आम आदमी पार्टी (आप) के निलंबित सांसद राघव चड्ढा और एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा उदयपुर में 24 सितंबर को सात फेरे लेंगे। इस कपल की गुरुद्वारे में अरदास समारोह और कीर्तन में शामिल होने की तस्वीर वायरल हो रही है। यह कपल 23 और 24 सितंबर को एक लग्जरी होटल में अपनी शादी को लेकर उदयपुर के लिए रवाना होगा। मंगलवार को पंडारा रोड स्थित राघव चड्ढा के आवास पर भी पाठ का आयोजन किया गया था। उनके आवास पर पंजाब पुलिस के जवान कड़ी नजर रख रहे थे और फोटोग्राफर व्यस्त सड़क के दूसरी ओर खड़े थे।

बुधवार को कपल की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जिसमें राघव को पेस्टल पिंक कलर के कुर्ते-पायजामे और नेहरू जैकेट पहने हुए देखा सकता है, जबकि, परिणीति ने पाउडर पिंक कलर का शरारा सेट पहना था।

दोनों को गुरुद्वारे में बैठकर प्रार्थना करते देखा जा सकता है। उनके साथ उनके परिवार के सदस्य भी हैं। इससे पहले कपल की शादी का कार्ड सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। कार्ड पर शादी की तारीख 24 सितंबर लिखी है, जो व्हाइट कलर का है। 24 सितंबर को दोपहर 1 बजे ताज लेक पैलेस में राघव की 'सेहराबंदी' होगी। फिर दोपहर 2 बजे 'बारात' निकलेगी।

रिसेप्शन समारोह, जिसकी थीम 'ए नाइट ऑफ अमोरे' है, रात 8.30 बजे लीला पैलेस कोर्टयार्ड में होगा। इस दौरान राजनीति और बॉलीवुड जगत की कई बड़ी हस्तियां उदयपुर आएंगी। इस कार्यक्रम में परिणीति की बहन प्रियंका चोपड़ा और उनके पति निक जोनस सहित कई फिल्मी हस्तियों और दिल्ली और अन्य राज्यों के नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है।

आशिका भाटिया ने बॉलीवुड प्लान का किया खुलासा

मुंबई/एजेन्सी। सलमान खान की 2015 की बॉक्स-ऑफिस हिट फिल्म 'प्रेम रतन धन पायो' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली एक्ट्रेस आशिका भाटिया ने हाल ही में बॉलीवुड में और अधिक काम करने की अपनी योजना के बारे में खुलासा किया। उसी के बारे में बात करते हुए, आशिका बताती हैं कि उनके लिए किरदार कितना मायने रखता है। एक्ट्रेस ने कहा, ''मैं अपने टैलेंट पर फोकस करती हूं। मैं ऐसी फिल्में करूंगी, जहां मुझे मजबूत किरदार निभाने को मिलेंगे। मैं अपनी पर्सनैलिटी के आधार पर कोई किरदार निभाना पसंद करूंगी।' यह पूछे जाने पर कि क्या 'प्रेम रतन धन पायो' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म का हिस्सा बनने के बाद उन्हें दबाव महसूस होता है, एक्ट्रेस आत्मविश्वास से जवाब देती हैं, मुझे नहीं लगता कि 'प्रेम रतन धन पायो' जैसी फिल्म में काम करने से मुझ पर बेहतर काम करने का दबाव बढ़ा है। लेकिन, इसने निश्चित रूप से मुझे ऐसे और प्रोजेक्ट करने के लिए प्रेरित किया है और मुझे लगता है कि यह अच्छा है।'' आशिका ने वेब-सीरीज में काम करने के अपने खुलेपन के बारे में भी खुलासा किया, जो आजकल आम बात लगती है, ''मुझे क्राइम थ्रिलर सीरीज और हॉरर सीरीज भी देखना पसंद है। मैं एक मजबूत किरदार निभाना चाहूंगी जहां मैं अपनी एक्टिंग स्किल दिखा सकूं।''

सिंघम अगेन में काम करेंगी करीना कपूर!

मुंबई/वार्ता। बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर फिल्म सिंघम अगेन में काम करती नजर आ सकती हैं। जाने-माने निर्देशक रोहित शेट्टी ने सिंघम अगेन की शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म के जरिये अजय देवगन सिंघम के रूप में वापस आएंगे, उनके साथ रणवीर सिंह सिम्बा और अक्षय कुमार सूर्यवंशी के रूप में शामिल होंगे। चर्चा है कि करीना कपूर सिंघम रिटर्न्स के अपने ट्रैक को जारी रखते हुए, अजय देवगन की पत्नी की भूमिका निभाने के लिए सिंघम फ्रेंचाइजी में वापस आ गईं है। वह फिल्म में एक बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हुयी नजर आयेंगी।सिंघम अगेन की शूटिंग अगले छह महीनों की अवधि में भारत और विदेशों में की जाएगी।

गणेश की मूर्ति को गंगा में विसर्जित

कोलकाता में बुधवार को जजेज घाट पर भगवान गणेश की मूर्ति को गंगा में विसर्जित करते श्रद्धालु।

हमें सनी जैसे लोगों की जरूरत है : कंगना

नई दिल्ली/एजेन्सी

बॉलीवुड की कॉन्ट्रोवर्सी क्वीन कंगना रनौत ने पहले शाहरुख खान की 'पठान' की तारीफ की थी और अब उन्होंने सनी देओल की 'गदर 2' की तारीफों के पुल बांधे हैं। एक्ट्रेस न केवल फिल्म बल्कि सनी देओल की भी तारीफ की है। कंगना का कहना है कि इंडस्ट्री को सनी देओल जैसे लोगों की जरूरत है। सनी देओल की फिल्म ने 520 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। 'गदर 2' को काफी पसंद किया जा रा है। इसी बीच कंगना रनौत ने टाइम्स नाउ से बात करते हुए सनी देओल की फिल्म के बारे में बात की। कंगना से साल 2023 में बॉलीवुड के कमबैक के बारे में पूछा गया, जिस पर उन्होंने कहा कि एक इंडस्ट्री के तौर पर हम साथ आए हैं, नॉर्थ और साउथ को लेकर जो बंटवारा था, वो खत्म हो चुका है। हमने वाकई सोच-विचार किया है। सनी देओल जैसे कलाकार लंबे समय तक रेस में भी नहीं थे। हमें उन जैसे लोगों की जरूरत है।

पहले की थी 'पठान' की तारीफ कंगना रनौत ने इससे पहले शाहरुख खान की फिल्म 'पठान' की तारीफ की थी। उन्होंने कहा था, ऐसी फिल्में चलनी चाहिए और मुझे लगता है कि जो हमारे हिंदी सिनेमा वाले पीछे रह गए हैं, हर इंसान अपने लेवल पर कोशिश कर रहा है। बॉलीवुड में होता है भेदभाव कंगना की मानें तो बॉलीवुड में अब भी हिरोइन से ज्यादा फीस हीरो को मिलती है।

खुद के बारे में बात करते हुए कंगना ने बताया कि वह अपनी शर्तों पर काम करती हैं। कंगना का कहना है कि जबसे उन्होंने वुमन सेंट्रिक फिल्में बनाना शुरू किया, तब से ओटीटी पर भी महिला केंद्रित फिल्में और वेब सीरीज आने लगे हैं। कंगना के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह फिल्म 'तेजस' में नजर आने वाली हैं।

ये फिल्म 24 नवंबर को रिलीज हो रही है। इसके अलावा वह 'चंद्रमुखी 2' में भी नजर आएंगी। ये तमिल हॉरर कॉमेडी फिल्म 'चंद्रमुखी' का अगला पार्ट है। जिसमें रजनीकांत और ज्योतिका ने मुख्य भूमिकाएं निभाई थीं। इसके साथ ही कंगना फिल्म 'इमरजेंसी' में दिवंगत प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभाने वाली हैं।

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के विजयनगर स्थित अर्हम् भवन में मुनिश्री दीपकुमारजी के सान्निध्य में पर्युषण महापर्व की पूर्णाहुति पर क्षमापना कार्यक्रम का आयोजन तेरापंथी सभा विजयनगर द्वारा हुआ। पर्युषण पर्व पर आठ दिनों की 46 तपस्याएँ, नौ दिनों की 15 तपस्याएँ सहित अनेक तपस्याएं हुई।

उत्साहवर्धन — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के बसवनगुड़ी स्थित बीएमएस महिला महाविद्यालय में दो दिवसीय सांस्कृतिक उत्सव 'यूफोरिया 2023' का आयोजन हुआ जिसमें विद्यार्थियों ने अनेक सांस्कृतिक व खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। महाविद्यालय के प्रमुख रागिनी नारायण, प्राचार्य पदमा व अन्य शिक्षकों ने मुणोत का सम्मान किया।

'पर्युषण का नवनीत है क्षमा'

विजयनगर तेरापंथियों के सामूहिक क्षमापना कार्यक्रम में उमड़े श्रद्धालु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विजयनगर स्थित अर्हम् भवन में मुनिश्री दीपकुमारजी के सान्निध्य में पर्युषण महापर्व की पूर्णाहुति पर क्षमापना कार्यक्रम का आयोजन तेरापंथी सभा विजयनगर द्वारा हुआ। पर्युषण पर्व पर आठ दिनों की 46 तपस्याएँ, नौ दिनों की 15 तपस्याएँ सहित अनेक तपस्याएं हुई। पुरुषों में 94 पौषध एवं महिलाओं में 122 पौषध हुए। मुनिश्री दीपकुमारजी ने कहा कि आठ दिनों तक पर्युषण महापर्व की आराधना का आज सार निकालने का दिन है। जैसे बिलौना(मंथन) करने से उसमें नवनीत निकलता है वैसे ही इन आठ दिन में जो आत्मा का मंथन किया है, उसका नवनीत क्षमा है। भगवान महावीर ने कहा सबसे मैत्री भाव रखो। इस अवसर पर हम सभी खमत खामणा करे।

इस अवसर पर क्षमा के सागर आचार्यप्रवर से हम खमतखामणा करते हैं। वे महान् है वे हमें क्षमा प्रदान करेंगे। मुनिश्री ने विभिन्न साधु साध्वियों, संघीय संस्थाओं के अध्यक्षों का नामोल्लेख करते हुए उनसे तथा सभी श्रावक- श्राविका समाज से खमतखामणा की। मुनिश्री काव्य कुमारजी ने भी खमतखामणा पर अपने विचार प्रगट किए।

कार्यक्रम में तेरापंथी सभा अध्यक्ष प्रकाश गांधी, तेरापंथ युवक परिषद् अध्यक्ष राकेश पोखरणा, तेरापंथ महिला मंडल अध्यक्षा मंजु गादिया, अर्हम् मित्र मंडल अध्यक्ष बहादुरसिंह सेठिया, राजस्थान परिषद अध्यक्ष ललितसेठिया, अभातेयुप के प्रबुद्ध विचारक दिनेश पोखरणा ने अपने विचार प्रकट किए। उपस्थित सभी श्रावक श्राविका समाज ने भी आपस में क्षमायाचना की।

इन्सान को उसके गुणों से परखना चाहिए : आचार्य महेन्द्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राणीबेन्नूर। यहां शहर के सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूतिपूजक संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीजी की निश्रा में पर्युषण महापर्व की पूर्णाहास पर रथयात्रा निकाली गई। श्रद्धालुओं ने रथयात्रा से जुड़कर धर्मभावनाओं का परिचय दिया। आयोजित

प्रवचन में आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीजी ने कहा कि व्यक्ति को गलत फैसलों के कारण ही नुकसान उठाना पड़ता है अतः फैसले सोच समझकर ही लेने चाहिए। कदम-कदम पर अनुभव और अनुभवियों की बात सुनने की आदत डालनी चाहिए। उनके अनुभवों को क्रियान्वित करने के लिए तत्पर रहना चाहिए। बस इन्सान को परखने की होशियारी अपने पास होनी चाहिए। इन्सान को उसके गुणों से परखना चाहिए। हमेशा एक अच्छा इन्सान मतलबी नहीं होता, वो हमेशा उन लोगों से दूर हो जाता है जिन लोगों को उसे उसकी जरूरत नहीं होती है ।

कषायों का उपशमन करना ही पर्युषण का अध्यात्म संदेश है : विनयमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के होसूर रोड स्थित पार्श्व सुशील धाम में विराजित श्री विनयमुनिजी खींचन ने धर्म संदेश देते हुए कहा कि पर्युषण महापर्व में तपस्याओं और प्रवचनों का जोर रहा। आप सभी आपस एक दूसरे से सामूहिक क्षमा मांगने और क्षमा देने में जो उदारता करके उमंग उत्साह से भरे हैं वह अनुकरणीय है। विश्व में एक दिन ही रखा है, जिसे समस्त जैन समाज क्षमापर्व, उत्तम क्षमा दिवस रुप मनाते है। पारिवारिक और सामाजिक स्तरीय क्षमा का आदान प्रदान करते हैं। वो लोग महा भाग्यशाली है जिन्होंने सच्चे हृदय से क्षमा का आदान प्रदान किया है। कषायों का उपशमन करना ही पर्युषण महापर्व हमें अध्यात्म संदेश देता है। क्षमा वीरस्य भूषणम, क्षमा देने और याचना करने वाले सभी महानता के आदर्श है। उनकी हमें बहुत अनुमोदना करना चाहिए। जिसने क्षमा धर्म को अंदर में पा लिया उसे और किसी को देखने की आवश्यकता नहीं है और जिसने क्रोध-अहंकार को साथ रख लिये फिर कोई दुश्मन बनाने की आवश्यकता नहीं है। ये दोनो ही हमें सदैव दुखी बनाते ही रहेंगे। जीर्ण शीर्ण शरीर होता जा रहा है, उम्र घट रही है, इंद्रियों की शक्ति भी घट रही है ऐसे समय यदि धर्म को मित्र नहीं बनाया तो जीवन व्यर्थ चला जायेगा। क्षमापना के दूसरे दिन विल्सन गार्डन से मनोज मीना चौपडा, इंदिरानगर से गौतमचंद सुराना, सारक्की से हंसमुख लूणिया, हलसूर से हर्षित गादिया, दिलीपकुमार सुराणा (माइक्रो लेब) और मित्रजनों ने दर्शन वंदन तथा मांगलिक श्रवण किया।

क्षमावान व्यक्ति हमेशा हृदय से उदार और दयालु होता है : साध्वी भव्यगुणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिमंधरस्वामी राजेंद्रसूरी ट्रस्ट मामुलपेट के तत्वावधान में आयोजित चातुर्मास में गुरु राजेन्द्र भवन किलारी रोड में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने कहा कि मनुष्य जीवन में क्षमा, माफ करने का बहुत बड़ा महत्व है।

जो व्यक्ति क्षमा करना जानता है वह जीवन में सदैव आगे बढ़ता है, उन्नति प्रगति करता है। क्षमाशील होने का मतलब है सहनशील होना या क्षमा करने वाला। क्षमा हमारे जीवन का एक आभूषण है।

क्षमा करने वाला व्यक्ति हमेशा शांत प्रकृति का, धैर्यवान व संयमी होता है। वह हृदय से उदार और दयालु होता है। मेघराज भंसाली ने बताया कि प्रवीणकुमार पार्श्व पद्मावती ने सिमंधर स्वामी राजेंद्रसूरी मंदिर संघ के सदस्यों के साथ द्वार उद्घाटन किया।

चिकपेट गुरु मंदिर का द्वार उद्घाटन दिलीप कांकरिया परिवार ने किया। तपस्वियों का सामूहिक पारणे का लाभ अशोक कांकरिया परिवार ने लिया।

नेमीचंद वेदमुथा, हेमराज मोदी, कांतिलाल गांधीमुथा, कांतिलाल सोफाडिया, घेवरचंद सालेचा, चंपालाल बंदामुथा, बाबूलाल सवाणी, गुलाबचंद वाणीगोता, चंपालाल बंदामुथा, कांतिलाल कंकुचोपडा, प्रकाश हिराणी, मदनलाल वाणीगोता, गौतम वाणीगोता आदि ने तपस्वियों का सम्मान किया।

भारत से बातचीत शुरू करने के लिए अनुकूल माहौल बनाने की जिम्मेदारी पाकिस्तान पर : उमर अब्दुल्ला

जम्मू/भाषा। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को कहा कि भारत के साथ बातचीत शुरू करने के लिए जम्मू-कश्मीर में अनुकूल माहौल बनाने की जिम्मेदारी पाकिस्तान पर है।

अब्दुल्ला ने यहां पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों से कहा, हमने हमेशा भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत का समर्थन किया है, लेकिन उनके बीच बातचीत फिर से शुरू करने के लिए अनुकूल माहौल की आवश्यकता है। यह न केवल भारत की जिम्मेदारी है, बल्कि पाकिस्तान पर भी यह जिम्मेदारी है कि वह बातचीत के लिए अनुकूल माहौल बनाए। उन्होंने जून में कनाडा में एक खालिस्तानी अलगाववादी नेता की हत्या में भारतीय एजेंट की संभावित संलिप्तता के कनाडा के

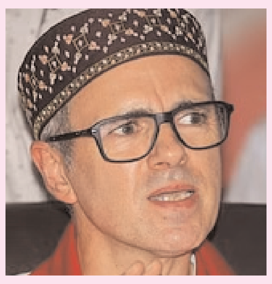

प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोपों पर चिंता व्यक्त की और कहा कि इससे दोनों देशों के बीच बहुत मजबूत द्विपक्षीय संबंधों को नुकसान पहुंचने का खतरा है।

उमर ने कहा, ...उनका (ट्रूडो) दावा है कि यह बात जांच पर आधारित है। बेहतर होता कि वह जांच पूरी होने तक इंतजार करते। अगर उनके पास अपने दावे का समर्थन करने के लिए सबूत हैं, तो मैं विनम्रतापूर्वक उन्हें सुझाव दूंगा कि वह इन सबूतों को अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ साझा करें वरना उनके बयान से कनाडा से हमारे मजबूत द्विपक्षीय रिश्तों को नुकसान पहुंचाने का खतरा है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण होगा।

बुधवार को संसद में पेश किए गए महिला आरक्षण विधेयक पर उन्होंने कहा कि बिल के मसौदे को देखते हुए इसे लागू होने में कम से कम 10 साल लगेंगे। उन्होंने कहा, विधेयक में कार्यान्वयन से पहले परिसीमन और जनगणना की बात कही गई है। इसका मतलब है कि 2029 से पहले कोई उम्मीद नहीं है और पूरी संभावना है कि यह 2034 में लागू होगा। जब कानून लागू होने में कम से कम 10 साल लगेंगे तो (संसद का) विशेष सत्र बुलाने की क्या जरूरत थी। शीतकालीन सत्र में भी इसे पेश किया जा सकता था।

संबोधन

हैदराबाद में बुधवार को ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के संस्थापक कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) सी राज कुमार, अध्यक्ष और कुलपति यॉर्क यूनिवर्सिटी, कनाडा, प्रोफेसर (डॉ.) रोंडा एल लेंटन प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए।

सामूहिक क्षमापना समारोह में हुआ तपस्वियों का सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित सामूहिक क्षमापना समारोह में संघ के सदस्यों ने आपस में क्षमायाचना की। समारोह में सिद्धि तप के तपस्वियों का रजत स्मृति चिन्ह से सम्मान किया गया। सिमरन कांकरिया ने बुधवार को 15 उपवास की पूर्णाहुति की। प्रतिक्रमण कंठस्थ करने वाले एवं विभिन्न परिक्षाओं में नब्बे प्रतिशत से ज्यादा अंक लेने वाले छात्रों को रजत पदक से सम्मानित किया गया। जीवदया, गोचरी सेवा व मुनि सेवा देने वाले विशिष्ट व्यक्तियों को भी सम्मानित किया गया। संघ सदस्यों की विशाल उपस्थिति में वर्ष भर धार्मिक अध्यापन कराने वाले अध्यापकों का व कबूतरों को दाना डालने वाले जीवदया दल का भी सम्मान किया गया। उपस्थित जनों ने संवत्सरी पर्व के उपलक्ष्य में जीवदया के लिए अनुदान दिया। संघ के मंत्री अभयकुमार बांठिया ने सभा का संचालन किया। अध्यक्ष नेमीचन्द चोरडिया ने आगुंतकों का स्वागत किया।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कुछ जलवायु लक्ष्यों से पीछे हटने के संकेत दिए

लंदन/एपी

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने बुधवार को जलवायु परिवर्तन संबंधी कुछ प्रतिबद्धताओं से पीछे हटने के संकेत दिए। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन को हर हाल में जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ना चाहिए, लेकिन श्रमिकों और उपभोक्ताओं पर इसका प्रभाव पड़े बिना ऐसा किया जाना चाहिए।

इस खबर की राजनीतिक विरोधियों, पर्यावरण समूहों और ब्रिटिश उद्योग के बड़े हिस्से ने व्यापक आलोचना की, लेकिन सत्ताधारी कंजरवेटिव पार्टी के कुछ वर्गों ने इस कदम का स्वागत किया है। सुनक ने बीबीसी की एक रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए मंगलवार देर रात एक बयान जारी किया, जिसमें कहा गया है कि प्रधानमंत्री नई गैसोलीन और डीजल कारों पर प्रतिबंध की समय सीमा बढ़ाने पर

विचार कर रहे हैं, जो वर्तमान में 2030 के लिए निर्धारित है। इसी तरह, घरों को गर्म करने के लिए नई प्राकृतिक गैस पर रोक की समयसीमा भी बढ़ाने पर विचार किया जा रहा है, जो वर्तमान में 2035 के लिए निर्धारित है।

सुनक ने कहा कि वह पर्यावरण के प्रति एक ''आनुपातिक'' दृष्टिकोण अपनाएंगे।

बुधवार दोपहर के लिए निर्धारित भाषण से पहले योजनाओं पर चर्चा करने के लिए उन्होंने जल्दबाजी में अपने मंत्रिमंडल की बैठक बुलायी। यह बैठक इस सप्ताह के अंत में होने वाली थी।

सुनक ने कहा, ''कई वर्षों से, सभी सरकारों में राजनेता लागत और सौदेबाजी के बारे में ईमानदार नहीं रहे हैं। इसके बजाय, उन्होंने यह कहते हुए आसान रास्ता निकाला है कि हम सब कुछ पा सकते हैं।'' हालांकि, सुनक ने अपनी घोषणा के संबंध में अधिक विवरण साझा किए बिना कहा कि वह 2050 तक ब्रिटेन के ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को शून्य तक करने का वादा निभाएंगे, लेकिन ''बेहतर, अधिक आनुपातिक तरीके से।''

ब्रिटेन के ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 1990 के स्तर से 46 प्रतिशत की गिरावट आई है, जिसका मुख्य कारण बिजली उत्पादन से कोयले को लगभग पूरी तरह से हटा देना है।

केरल को मिलने वाली है दूसरी वंदे भारत ट्रेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल को जल्द ही अपनी दूसरी वंदे भारत ट्रेन मिलने वाली है। सूत्रों के अनुसार इसकी रविवार को शुरुआत हो सकती है। सूत्रों के अनुसार पूरी संभावना है कि ट्रेन रविवार को उत्तरी जिले कासरगोड से सुबह 7 बजे राज्य की राजधानी के लिए रवाना होगी और दोपहर 3.05 बजे पहुंचेगी।

उसी दिन वापसी में यह शाम 4.05 बजे यहां से रवाना होगी और रात 11.55 बजे कासरगोड पहुंचेगी। पहली वंदे भारत ट्रेन को 25 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बड़े धूमधाम के बीच हरी झंडी दिखाई थी। ट्रेन राज्य की राजधानी से अपनी दैनिक यात्रा सुबह 5.20 बजे शुरू करती है और दोपहर 12.03 बजे कासरगोड पहुंचती है, वापसी यात्रा दोपहर 2.30 बजे कासरगोड से शुरू होती है और रात 10.35 बजे यहां पहुंचती है। संयोग से, 25 अप्रैल को शुरू हुई सेवा कोट्टायम मार्ग से चलती है, प्रस्तावित नई सेवा अलाप्पुझा मार्ग से चलेगी। पहली वंदे भारत को केरलवासियों ने खूब सराहा है और अधिकांश दिनों में यह पूरी तरह भरी रहती है।

मोदी के नेतृत्व में हम निस्संदेह सुरक्षित हाथों में हैं : कोविंद

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता और नेतृत्व की सराहना की तथा कहा कि जब वह सत्ता में हैं तो देश निस्संदेह सुरक्षित हाथों में है।

प्रधानमंत्री के जीवन और योगदान पर एक पुस्तक के विमोचन के लिए आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कोविंद ने मोदी को असाधारण व्यक्तित्व और महान आत्मा वाला व्यक्ति बताया।

युवक ने लड़की को चाकू मारा

चेन्नई। चेन्नई के दक्षिणी उपनगर मेदावक्कम में बस शेल्टर पर एक युवक ने 16 साल की लड़की को चाकू मार दिया। इस हमले में लड़की गंभीर रूप से घायल हो गई। आरोपी युवक लड़की को जानता था। पुलिस ने बताया कि घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी वसंत मौके से भागने में सफल रहा। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। गंभीर रूप से घायल पीड़िता को क्रोमपेट के सरकारी अस्पताल में प्रारंभिक उपचार के बाद चेन्नई के स्टेनली मेडिकल कॉलेज में स्थानांतरित कर दिया गया।

मानसिक स्वास्थ्य को गंभीरता से लेने की आवश्यकता है : मिश्रा

जयपुर। राजस्थान के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) उमेश मिश्रा ने कहा है कि वर्तमान दौर में मानसिक तनाव व एंजाइटी (घबराहट) की समस्या निरन्तर बढ़ती जा रही है। उन्होंने पुलिस बल सहित आमजन में भी मानसिक तनाव की समस्या को ध्यान में रखते हुए मानसिक स्वास्थ्य के प्रति गंभीरता बरतने की आवश्यकता जताई।

मिश्रा बुधवार को पुलिस मुख्यालय में आयोजित मानसिक स्वास्थ्य संबंधी कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com